हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-246, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, बुधवार 19 फरवरी 2025

खालसा इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट के छात्र छात्राओं को...02

यूपी बोर्ड परीक्षा 2025 की तैयारी शुरू, उन्नाव में डीएम-एसपी...06

● आमजन के बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं ये लोग, सीएम बोले...

समाजवादियों का चरित्र दोहरा

- उत्तर प्रदेश विधानसभा में सीएम योगी ने कहा, सपा ने सरकार के बहुत अच्छे कामों का विरोध किया
- उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत की विरोधी है सपाः योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) को उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का विरोधी करार देते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सपा देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहती है, जो कतई स्वीकार्य नहीं होगा। विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुये कहा सपा अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ाएगी और जब सरकार आम जनता के बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने की बात करती है, तो ये लोग उर्दू थोपने की वकालत करने लगते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहती है, जो कतई स्वीकार्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की स्थानीय बोलियों भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इन बोलियों को हिंदी की उपभाषाएं मानते हुए सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। श्री योगी ने कहा कि हमारी सरकार इन भाषाओं के लिए अलग-अलग अकादमियों का गठन कर रही है, ताकि ये समृद्ध हों। ये हिंदी की बेटियां हैं और इन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। यह सदन केवल विद्वानों के लिए नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज को यहां स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी का विरोध कर रहे हैं, वे दरअसल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के विरोधी हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इनका चरित्र ही दोहरा हो चुका है। उन्होने कहा कि ब्रजभाषा इतनी समृद्ध है कि संत सूरदास ने इसी भाषा में अपनी रचनाएं दीं। इसी तरह, संत तुलसीदास ने अवधी में रामचरितमानस की रचना की, जो न केवल उत्तर भारत बल्कि प्रवासी भारतीयों के लिए भी संकट काल में संबल बनी। जो लोग आज भोजपुरी, अवधी और ब्रज भाषा का विरोध कर रहे हैं, वे दरअसल भारत की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के विरोधी हैं। यह दुखद है कि जब इन भाषाओं को सम्मान दिया जा रहा है, तब कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। योगी ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का स्वभाव ही यह बन चुका है कि वे हर अच्छे कार्य का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि आप लोग प्रदेश और देश के हित में किए जाने वाले हर सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं। यह नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा सचिवालय ने जब स्थानीय भाषाओं को मान्यता दी तो समाजवादी पार्टी ने इसका भी विरोध किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सपा का यह दोहरा रवैया जनता को समझ में आ रहा है और उन्हें समाज के सामने एक्सपोज किया जाना चाहिए। उन्होने कहा कि उनकी सरकार भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं को सम्मान दिलाने के लिए भोजपुरी अकादमी, अवधी अकादमी और ब्रज अकादमी की स्थापना की जा रही है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी मातृभाषाओं को सहेजें और उन्हें आगे बढ़ाएं। विपक्ष का यह विरोध बताता है कि वे न केवल विकास के विरोधी हैं, बल्कि हमारी संस्कृति के भी विरोधी हैं। ये लोग अपने बच्चों को इंग्लिश स्कूल में पढ़ाएंगे और दूसरे के बच्चे के लिए अगर वह सुविधा सरकार देना चाहती है तो कहते हैं कि नहीं उर्दू पढ़ाओ इसको। यानि ये बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं। देश को कठमुल्लापन की ले जाना चाहते हैं यह नहीं चल सकता है।

भारत-कतर के बीच रणनीतिक साझेदारी से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर

➲ पीएम मोदी व शेख अल थानी रहे मौजूद

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के बीच मंगलवार को हैदराबाद हाउस में वार्ता हुई, जिसके बाद भारत और कतर ने अपने संबंधों को व्यापार, ऊर्जा, निवेश और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने का निर्णय लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दोनों देश के शीर्ष नेताओं के बीच व्यापक मुद्दों पर वार्ता हुई है। वार्ता में दोनों देशों के बीच आपसी गहरे और पारंपरिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। प्रवक्ता ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने आज हैदराबाद हाउस में व्यापक चर्चा की। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं के द्विपक्षीय वार्ता से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर का हैदराबाद में गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री मोदी ने कतर के अमीर के आगमन पर प्रोटोकॉल तोड़ कर स्वयं हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया था।

मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था को कर दिया बर्बादः खरगे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार की नीतियों को देश के आर्थिक विकास के दिए दिशाहीन तथा नीतिहीन करार देते हुए कहा है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है और देशवासियों का जीवन बर्बाद हो रहा है। श्री खरगे ने कहा इससे अधिक विडंबनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता कि मोदी सरकार के वित्त मंत्री यह कहें कि हमारी अर्थव्यवस्था श्अच्छा रिटर्नश् दे रही है। इस साल अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 45 लाख करोड़ रुपए का सफाया हो चुका है। निफ्टी 50 कंपनियों ने 5 वर्षों में सबसे खराब तिमाही लाभ वृद्धि दिखाई है। अक्टूबर से विदेशी निवेशकों ने 1.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं जिसमें 2025 में लगभग एक लाख लाख करोड़ भी शामिल है जिसके कारण छोटे और मध्यम निवेशकों की संपत्ति खत्म हो गई है। उन्होंने कहा रुपया 87 पर, मतलब व्यापार घाटा आसमान छू रहा है। पिछले 05 वर्षों में आयात 62.21 प्रतिशत बढ़ गया है। मोदी सरकार की व्यापार नीति भारत के लिए विनाशकारी है। निर्यात वृद्धि यूपीए सरकार में 2004-14 में 549.36 मोदी 2014-24 -24.72 प्रतिशत अप्रैल- नवंबर 2024 तक ही। इस सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपयेका कॉर्पोरेट टैक्स राजस्व माफकर दिया है।

ओडिशा का बजट कमजोर और जनविरोधीः कांग्रेस

भुवनेश्वर। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मंगलवार को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी द्वारा प्रस्तुत राज्य बजट को कमजोर और जनविरोधी बताया। माझी ने सोमवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ओडिशा विधानसभा में 2.90 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए दास ने कहा कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से पिछले आठ महीनों में राज्य पर कर्ज का बोझ बढ़ 44,400 करोड़ रुपये बढ़ गया है। जिससे लोगों का जीवन दूभर हो गया है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार दस आदिवासी जिलों में क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में असमर्थ है और दावा किया कि बजट में इन जिलों में जीवन स्तर में सुधार के लिए ईमानदारी की कमी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी बताया कि छोटे और मध्यम उद्योगों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र की वृद्धि में तेजी से गिरावट आई है।

आधी रात को चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करना मोदी-शाह की असभ्यता: राहुल गांधी

- नए सीईसी की नियुक्ति के आधी रात के फैसले पर राहुल का बड़ा हमलाय बोले- यह अपमानजनक और अशिष्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पत्र साझा करते हुए पोस्ट में लिखा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, तब आधी रात को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का फैसला लेना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लिए अपमानजनक और अशिष्ट है। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पदोन्नत करके नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) बनाया गया है। देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, तब आधी रात को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का फैसला लेना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लिए अपमानजनक और अशिष्ट है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पत्र साझा करते हुए पोस्ट में लिखा कि अगले मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए हुई समिति की बैठक के दौरान मैंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को एक असहमति नोट प्रस्तुत किया था। इसमें कहा गया था कि कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त एक स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करके और भारत के मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाकर मोदी सरकार ने चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी को लेकर करोड़ों मतदाताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है। विपक्ष के नेता के रूप में यह मेरा कर्तव्य है कि मैं बाबासाहब आंबेडकर और हमारे राष्ट्र निर्माताओं के आदर्शों को कायम रखूं और सरकार को जवाबदेह ठहराऊं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री द्वारा नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का आधी रात को निर्णय लेना अपमानजनक और अशिष्टतापूर्ण है। जबकि समिति की संरचना और प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जा रही है। इस पर 48 घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है। राहुल गांधी ने बैठक में दिए गए अपने असहमति नोट में यह लिखा राहुल गांधी ने अपने असहमति नोट में लिखा कि जून 1949 में एक स्वतंत्र चुनाव आयोग की स्थापना पर चर्चा के लिए संविधान सभा में बोलते हुए डॉ. बाबा साहब आंबेडकर ने भारत के लोकतंत्र और चुनाव आयोग के मामलों में कार्यपालिका के हस्तक्षेप के बारे में चेतावनी दी थी। कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। दो मार्च 2023 को एक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय की सांविधानिक पीठ ने आदेश दिया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और मुख्य न्यायाधीश की एक समिति द्वारा की जानी चाहिए।

जबलपुर में स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर में हड़कंपय बच्चों को निकाला गया बाहर

जबलपुर,(एजेंसी)। जबलपुर के सेंट गेब्रियल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। स्कूल प्रशासन ने पूरे स्कूल परिसर को खाली करा दिया है। पुलिस को धमकी के संबंध में सूचित कर दिया है। जबलपुर के सेंट गेब्रियल स्कूल में बम रखे होने की सूचना से हड़कंप मच गया। स्कूल में बम प्लांट होने की यह धमकी प्रिंसिपल को ईमेल के माध्यम से दी गई। स्कूल में बम होने की खबर जैसे ही फैली अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। स्कूल में बम होने की धमकी उस समय दी गई, जब कुछ कक्षाओं में पढ़ाई चल रही थी। वहीं कुछ में परीक्षाएं हो रही थी। बम की खबर अभिभावकों तक भी पहुंची तो वे भी बड़ी तादाद में स्कूल पहुंचे।

ज्ञानेश कुमार के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने से परिजन खुश

➲ एक बेटी डीएम तो दूसरी है आईआरएस

आगरा,(एजेंसी)। आगरा की विजय नगर कॉलोनी में ज्ञानेश कुमार गुप्ता के परिवार के 28 सदस्य चिकित्सक हैं। उनके पिता डॉ. सुबोध कुमार गुप्ता मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद से रिटायर हो चुके हैं। मां सत्यवती गुप्ता योग सिखाती हैं। ज्ञानेश कुमार की बड़ी बेटी मेधा रूपम वर्तमान में कासगंज जिले की जिलाधिकारी हैं। उनकी दूसरी बेटी अभिश्री आईआरएस अधिकारी हैं। नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता की जन्म स्थली आगरा है। उनके पिता डॉ. सुबोध कुमार गुप्ता और मां सत्यवती गुप्ता विजय नगर कॉलोनी में रहते हैं। पिता मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद से रिटायर हो चुके हैं। पिता के सरकारी नौकरी में होने की वजह से तबादला होते रहे और ज्ञानेश कुमार की शिक्षाहोने की वजह से शिक्षा गोरखपुर, लखनऊ और कानपुर से हुई। ज्ञानेश के परिवार में ज्यादातर चिकित्सक हैं पर उन्होंने अलग रास्ता चुना। ज्ञानेश कुमार का परिवार मूल रूप से मिढ़ाकुर का रहने वाला है लेकिन पिता वहां से आगरा आकर बस गए। पंजाब नेशनल बैंक के पास वाली गली में सबसे अंतिम मकान सुबोध कुमार गुप्ता का है। फिलहाल उनके माता-पिता दिल्ली में हैं। ज्ञानेश बचपन से ही प्रतिभाशाली थे। वाराणसी के क्वींस कॉलेज में वह टॉपर रहे। 12वीं उन्होंने लखनऊ के काल्विन तालुकेदार कॉलेज से की, यहां भी टॉप किया। इसके बाद आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। इसके बाद वे सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली चले गए। वहां एक साल उन्होंने हुडको में भी काम कया। 1988 में उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा पास की और केरल कैडर के आईएसएस अधिकारी बन गए। पहली नियुक्ति उन्हें तिरुवनंतपुरम में बतौर डीएम मिली। उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया है। यूपीए सरकार के कार्यकाल में 2007 से 2012 तक वे रक्षा मंत्रालय में संयुक्त रक्षा सचिव रहे। 2014 में वे केरल सरकार के दिल्ली में रेजिडेंट कमिशनर थे। इस्लामिक स्टेट की हिंसक गतिविधियों के बीच उन्होंने 183 भारतीयों को इराक से निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें इरबिल में फंसी 46 मलयाली नर्स भी शामिल थीं। सुबोध कुमार गुप्ता के पड़ोसी बताते है कि विजय नगर कॉलोनी में उनके परिवार के 28 सदस्य चिकित्सक है।

अभद्र टिप्पणी पर इलाहाबादिया को सुप्रीम कोर्ट ने लताड़ा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। समय रैना के शो श्इंडियाज गॉट लैटेंटश् में अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में यूट्यूबर पर सवाल उठाते हुए कहा कि समाज के कुछ मूल्य होते हैं। समय रैना के शो श्इंडियाज गॉट लैटेंटश् में की गई अभद्र टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया को जमकर लताड़ा है। इलाहाबादिया की टिप्पणियों से नाराज न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कड़ी आलोचना करते हुए कुछ सवाल किए हैं, साथ ही कुछ निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा मामले में रणवीर इलाहाबादिया को कुछ राहत भी मिली है। जानते हैं कोर्ट ने क्या कहा... सुप्रीम कोर्ट ने और क्या कहा? श्इलाहाबादिया के दिमाग में यकीनन कुछ गंदगी थी, जो उन्होंने यूट्यूब शो पर उगल दीश् श्उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द बहन-बेटियों, माता-पिता और यहां तक कि समाज को भी शर्मिंदगी महसूस कराएंगेश् श्समाज के मूल्य क्या हैं? ये पैरामीटर क्या हैं, क्या आप जानते भी हैंश? श्अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी को भी समाज के मानदंडों के खिलाफकुछ भी बोलने की छूट नहीं हैश् सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या निर्देश दिए? रणवीर को अपना पासपोर्ट थाने में जमा करना होगा, वे बिना इजाजत भारत से बाहर नहीं जा सकेंगे रणवीर को अपने खिलाफ दर्ज शिकायतों में पुलिस और जांच एजेंसियों का सहयोग करने को कहा गया जब तक मामला खत्म नहीं होता तब तक रणवीर इलाहाबादिया के शो का कोई भी एपिसोड ऑन-एयर नहीं होगा रणवीर को क्या-क्या राहत मिलीं? मुंबई और गुवाहाटी में दर्ज एफआईआर में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से उन्हें संरक्षण प्रदान किया गया है आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफअब कोई भी नई एफआईआर नहीं होगी अगर नई एफआईआर होती है तो रणवीर को अरेस्ट नहीं किया जाएगा शिवसेना नेता शाइना एनसी बोलीं-श्कानून का डर होना जरूरीश् श्इंडिया गॉट लैटेंटश् विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा, श्सुप्रीम कोर्ट ने जो भी कहा वह सही है... कोई भी किसी व्यक्ति को निशाना नहीं बनाना चाहता, लेकिन उदाहरण के लिए कानून का डर होना बहुत जरूरी है। भारत एक ऐसा देश है, जहां संस्कृति और सभ्यता अभी भी बरकरार है और इसे हमेशा बरकरार रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट का आदर-सम्मान करना चाहिएश्।

शाह ने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक की

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के बारे में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की मौजूदगी में मंगलवार को यहां समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, गृह मंत्री लगातार देश में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे हैं कि उनका किस तरह और किस हद तक इस्तेमाल किया गया है। इस संबंध में अब जम्मू-कश्मीर की बारी है।उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने बताया कि 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। अब्दुल्ला ने कहा , जम्मू-कश्मीर में काफी हद तक इन कानूनों का क्रियान्वयन अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दे रहे हैं और उन पर भी चर्चा की गई।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के विरोध में कांग्रेस, कहा- यह फैसला संविधान विरोधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस ने नियुक्ति को संविधान की भावना के खिलाफ और चुनाव प्रक्रिया को नष्ट करने वाला बताया। कांग्रेस सांसद और महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ शासन देश की चुनाव प्रक्रिया को नष्ट कर रहा है। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पदोन्नत करके नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) बनाया गया है। देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस ने नियुक्ति को संविधान की भावना के खिलाफ और चुनाव प्रक्रिया को नष्ट करने वाला बताया। कांग्रेस सांसद और महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ शासन देश की चुनाव प्रक्रिया को नष्ट कर रहा है। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर लिखा कि आधी रात को जल्दबाजी में सरकार ने नए केंद्रीय चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। यह हमारे संविधान की भावना के खिलाफहै। इसे सर्वोच्च न्यायालय ने कई मामलों में दोहराया है कि चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता के लिए, मुख्य चुनाव आयुक्त को निष्पक्ष हितधारक होना चाहिए। संशोधित कानून ने मुख्य न्यायाधीश को मुख्य चुनाव आयुक्त चयन पैनल से हटा दिया है। सरकार को मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करने से पहले 19 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई तक इंतजार करना चाहिए था। उन्होंने लिखा कि जल्दबाजी में बैठक आयोजित करने और नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने का उनका फैसला दिखाता है।

खालसा इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट के छात्र छात्राओं को समारोह पूर्वक दी गई विदाई

➪ छात्र तनाव मुक्त होकर सकारात्मक सोच के साथ बोर्ड परीक्षा में बैठें : स.वीरेन्द्र सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। छात्रों के लिए यह मात्र विदाई का दिन नही बल्कि परीक्षा के लिए गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त करने का दिन है7 यह बात खालसा इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य स. वीरेन्द्र सिंह ने कॉलेज के इंटरमीडिएट के छात्र - छात्राओं के विदाई समारोह के दौरान अपने सम्बोधन में कहीं। श्री सिंह ने कहा कि छात्र बिना तनाव के सकारात्मक सोच के साथ 24 फरवरी से प्रारम्भ हो रही बोर्ड परीक्षाओं में बैठे। परीक्षाओं की तैयारी के दौरान अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अवश्य लिखें । उन्होने आसमान में सबसे ऊँचा उड़ने वाले शक्तिशाली एवं लक्ष्य पर तीव्र दृष्टि रखने वाले पक्षी % बाज % से शिक्षा लेने को कहा जो विपरीत स्थितियों से न डरकर चुनौतियों को स्वीकार करना पसंद करता है। उप प्रधानाचार्य नीरज श्रीवास्तव ने छात्र - छात्राओं को शुभकामनायें देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान समय को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों को हल करें। शिक्षक वी. के. श्रीवास्तव ने परीक्षा की तैयारी हेतु छात्रों को लिख - लिख कर अभ्यास करने को कहा। उन्होने विदाई समारोह के लिए सभागार में की गई सजावट के लिए कक्षा 11 के छात्र - छात्राओं की सराहना की । प्रवक्ता जीपी तिवारी ने कविता की पंक्तियों लक्ष्य न ओझल होने पावे, मेहनत करता चल, मंजिल तेरी कदम चूमेगी, आज नही तो कल॥ के माध्यम से छात्र छात्राओं का बोर्ड परीक्षा हेतु मार्गदर्शन किया। शिक्षक सतवीर सिंह ने अभी अलविदा मत कहो दोस्तों..... । गीत गायन से छात्रों को मंत्र मुग्ध किया। प्रवक्ता पुनित कुमार, स. जसपाल सिंह, शैलेन्द्र कुमार,शिक्षक सी. बी. सिंह, शिक्षिका - गुरमीत कौर, अल्का राय, डॉ. रूबी त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त कर छात्र छात्राओं को बोर्ड परीक्षाओं हेतु शुभकामनायें दीं। विदाई समारोह की मेजवानी कर रहे कक्षा 11 के छात्र -छात्राओं में से छात्रा कंचन पाण्डेय ने कहा कि स्कूल का जीवन हमारी जिंदगी का सबसे खास पल होता है। यह वो स्थान होता है जहां शिक्षक एवं छात्र ही नही बल्कि उनके सपने भी होते हैं। इस विद्यालय से जा रहे इंटर मीडिएट के छात्र छात्रायें निराश न हों क्योंकि जिंदगी का पड़ाव यहीं खत्म नही हुआ है बल्कि यहाँ से नई जिंदगी - नई कामयाबी आपका इन्तजार कर रही है। शिक्षक नवनीत कुमार के संचालन में सम्पन्न विदाई समारोह कार्यक्रम की पूर्ण तैयारी में प्रवक्ता हरीश कुमार, शैलेन्द्र कुमार, श्रीमती अल्का राय एवं जी.पी. तिवारी का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम उपरांत सभी छात्र - छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम समापन उपरांत कक्षा 12 के छात्र विशाल कुशवाह, आदित्य राजपूत, वैभव राजपूत एवं मुकेश कुमार ने कॉलेज में अध्ययन के दौरान बिताये गये 5-6 वर्षो के बारे में बताया 7 इन छात्रों ने बताया कि प्रधानाचार्य स. वीरेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में यह कॉलेज शिक्षा, खेल व एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर प्रतिभाओं को तराशने में अपनी अलग पहचान रखता है 7 इस विद्यालय से ज्यादा सम्भवत: क्षेत्र में कहीं भी पढ़ाई पर इतना अधिक ध्यान नही दिया जाता जितना कि यहाँ 7इस विद्यालय को छोड़ते हुए हमें दुख हो रहा है 7

प्रयागराज के महाकुंभ स्नान कर पश्चिम बंगाल लौट रही बस निरसा में दुर्घटनाग्रस्त 12 से अधिक लोग घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चिरकुंडा / धनबाद। प्रयागराज के महाकुंभ से स्नान कर पश्चिम बंगाल लौट रही बस दल्ली- कोलकाता सड़क पर निरसा में खड़ी टेलर में टूरिस्ट बस आकर धक्का मार दी और बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, बस में सवार 12 लोग घायल हो गए, महाकुंभ से स्नान कर पश्चिम बंगाल लौट रही एक बस निरसा में दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, बस में करीब 65 यात्री सवार थे, इस हादसे में 12 से अधिक लोग घायल हो गए, जिसमें महिला और पुरुष दोनों शामिल हैं. घायल सभी लोग पश्चिम बंगाल के मेदनीपुर के रहने वाले हैं, प्रयागराज कुंभ में स्नान कर सभी घर लौट रहे थे, इसी दौरान यह हादसा हुआ है. सभी घायलों का इलाज धनबाद के स्नैमच अस्पताल में चल रहा है. घटना को लेकर जानकारी देते बस यात्री जिले के निरसा के तेतूलिया मोड़ पर दिल्ली-कोलकाता मार्ग में यह हादसा हुआ. बस की जोरदार टक्कर ट्रेलर से हुई, जिससे बस में सवार 65 यात्रियों में 12 से अधिक यात्री घायल हो गए हैं, घायल यात्री सुबोचंद्र ने बताया कि पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर से सभी महा कुंभ स्नान के लिए गए थे, स्नान कर वापस लौट रहे थे, इस दौरान बस ने ट्रेलर में जाकर टक्कर मार दी, जिससे लोग घायल हो गए बस में करीब 65 यात्री सवार थे, घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया है ।

चिरकुंडा तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी में प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चिरकुंडा / धनबाद। श्री श्री 108 हरिहर एवं मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के आयोजन को लेकर मंगलवार के सुबह तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर के समीप श्री दुर्गा फाउंडेशन समिति द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता के दौरान शिवरतन प्रसाद एवं राजेश शर्मा ने बताया कि 21 फरवरी से 27 फरवरी तक विभिन्न आयोजन के साथ शिव परिवार, मां दुर्गा, श्री राधा कृष्ण, श्री पंचमुखी हनुमान, श्री राम दरबार का प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन 22 फरवरी को गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाला जाएगा। जिसमें लगभग 1500 महिलाएं कलश लेकर तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी से बराकर नदी घाट को जाएँगे । जहां वैदिक मन्त्रों उच्चारण के साथ कलश में जल भरा जाएगा। और वहां से वापस सभी मंदिर परिषर पहुंचेंगे। सभी श्रद्धालुओं के लिए नाश्ते एवं पानी की व्यवस्था कमेटी द्वारा किया गया है। इस महायज्ञ को वैदिक संत राघव प्रपन्ना जी महाराज के सानिध्य में सोलह आचार्यों के दल संपन्न करवायेंगे । इसके अलावा प्रतिदिन संध्या 6 बजे से प्रतिदिन राम कथा का आयोजन वृंदावन धाम से आयी पूज्या दिव्या देवी द्वारा किया जाएगा। वही कार्यक्रम के अंतिम दिन 27 फरवरी को महा भंडारा 2 बजे से भक्तों के आगमन तक चलेगा। प्रेस वार्ता के दौरान सभी से अपील किया गया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर महायज्ञ में शामिल हों तथा महाप्रसाद ग्रहण करें। इस दौरान प्रवीण चौधरी , देवेंद्र सिंह अखिलेश सिंह जयनाथ सिंह रंजीत मिश्रा , जय प्रकाश सिंह , मोनू मिश्रा , अमित सिंह , मनीष गुप्ता ,सहित अन्य मौजूद थे ।

नगर में वृहद स्तर पर चलाया जा रहा नाला सफाई अभियान

➤ नगर को स्वच्छ और स्वस्थ रखना हमारी पहली प्राथमिकता - नगर पालिका अध्यक्ष

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। नगर में वृहद स्तर पर चलाए जा रहे सफाई अभियान के अंतर्गत कानपुर-लखनऊ हाइवे स्थित लोनी ड्रेन पॉइंट से शुरू हो रहे नाला सफाई कार्य का नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा द्वारा निरीक्षण कर अधिशासी अधिकारी संजय गौतम , सफाई इंस्पेक्टर रश्मी पुष्कर , जे.ई. विवेक वर्मा सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि बरसात के मौसम से पहले नगर को जलभराव से निजात दिलाने की दिशा में हम सतत प्रयत्नशील हैं नगर को स्वस्थ और स्वच्छ रखना हमारी पहली प्राथमिकता है। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू, आदर्श नगर सभासद राकेश शाहू, गांधी नगर सभासद दीपक दीक्षित मोनू, गद्दियाना सभासद मेराजुद्दीन, एबी नगर सभासद प्रतिनिधि मनीष शुक्ला, अकरमपुर सभासद प्रतिनिधि सर्वेश गुप्ता सहित पालिका अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने दिया बिश्वनाथ जिले के सरकारी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को बधाई का सौगात

➲ बिश्वनाथ जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नाटे ने किया औपचारिक रूप से इसका वितरण

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त राज्य के विभिन्न हिस्सों के पत्रकारों के साथ-साथ आज बिश्वनाथ जिले के पत्रकारों के लिए भी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा भेजे गए सद्भावना उपहारों को औपचारिक रूप से बिश्वनाथ जिले के पत्रकारों के बीच वितरित किया गया। इस उद्देश्य के लिए बिश्वनाथ के जिला आयुक्त के सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक विशेष समारोह में जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नाटे ने बिश्वनाथ जिले के सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों को औपचारिक रूप से उपहारों के गुलदस्ते सौंपे। जिला आयुक्त मुनीन्द्र नाथ नाटे ने मुख्यमंत्री द्वारा भेजी गई उपहार टोकरी सौंपते हुए पत्रकारों को हर समय उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। पत्रकारों की ओर से पत्रकार प्रणव ओझा ने भी लंबा भाषण दिया और मुख्यमंत्री को इस तरह के तोहफे के लिए धन्यवाद दिया। जनसंपर्क विभाग की ओर से रंजीत सैकिया द्वारा शुरूआत किए गए कार्यक्रम में अपर जिला आयुक्त हृदय कुमार दास, सहायक आयुक्त एवं प्रभारी जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी पुष्पांकर पाटीर, पत्रकार, जनसम्पर्क विभाग के प्रशासनिक अधिकारी गिरीश हजारिका, जिले के मान्यता प्राप्त थे।

नाबालिग किशोरी के साथ युवक ने किया खेत में दुष्कर्म मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मैनपुरी

कुरावली/ थाना क्षेत्र के एक ग्राम में नाबालिक किशोरी के साथ युवक ने किया खेत में ले जाकर किया दुष्कर्म नाबालिक किशोरी के पिता ने नाम दर्ज तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया। किशोरी के पिता ने शिकायत में बताया कि उनकी पुत्री के साथ गांव के ही नवीन पुत्र राजकुमार ने दुष्कर्म किया है। शिकायत में बताया कि नवीन उनकी पुत्री को खेत में घसीट कर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जब उनके किशोरी के भाई ने इसका विरोध किया तो नवीन ने उसे धमकाया। किशोरी के पिता ने अपनी शिकायत के साथ अपनी पुत्री का आयु प्रमाण पत्र भी संलग्न किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुकदमा अपराध संख्या 55/2025 धारा 65(1)/351(2) बीएनएस व 3/4(2) पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। मामले की जांच स्वयं प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह चौहान द्वारा की जाएगी। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक मय हमराह फोर्स के घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

बुजुर्ग सुंदरी का कलेक्ट्रेट आना हुआ सफल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान उस समय एक भावुक माहौल पैदा हो गया जब एक वृद्धा सुंदरी पत्नी स्वर्गीय जगदीश, ग्राम बरौली, विकास खण्ड टड़ियावां जिलाधिकारी के समक्ष पहुँची। वृद्धा ने बताया कि पिछले 7 महीनों से उनको दिव्यांग पेंशन नहीं प्राप्त हुई है। किसान सम्मान निधि की धनराशि भी उनको प्राप्त नहीं हो रही है। उनका अंत्योदय राशन कार्ड खो जाने के कारण उनको राशन भी 3 साल से नहीं मिल रहा है। जिलाधिकारी ने तत्काल दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी को बुलाया तथा निर्देश दिए कि सुंदरी की दिव्यांग पेंशन तत्काल जारी की जाये। पूर्ति निरीक्षक उन्होंने को निर्देश दिए कि तत्काल उनका नया राशन कार्ड जारी किया जाये। जिला कृषि अधिकारी को उन्होंने किसान सम्मान निधि की औपचारिकतायें पूर्ण करने के निर्देश दिए। वृद्धा सुंदरी लाठी के सहारे खिसकते हुए आज कलेक्ट्रेट पहुँची। दूर से उनको आता देख कलेक्ट्रेट के एक कर्मचारी ने ट्राईसाईकिल से कलेक्ट्रेट कक्ष तक पहुँचाया। लेकिन आज उनका कलेक्ट्रेट आना सफल हो गया। जिलाधिकारी को दुवाएं देते हुए वह कलेक्ट्रेट से रवाना हुईं।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। विवेकानंद सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि चिन्हित स्थानों पर संकेतक लगवाए जाएं। अनधिकृत कट को बन्द किया जाये। नगर पालिका क्षेत्र में सभी विद्यालयों के सामने संकेतक लगवाए जाएं। ब्लैक स्पॉट पर अवशेष कार्य जल्द पूरे किये जाएं। सड़कों पर अनधिकृत पार्किंग को रोका जाये। लोगों को सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक किया जाये। सड़कों का रोड सेफ्टी ऑडिट कराया जाये। चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग को गड्ढा मुक्त कराया जाये। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

टोली बाउरी वृद्ध महिला बीमार को समाजसेवियों ने स्नैमच अस्पताल में कराया भर्ती

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चिरकुंडा / धनबाद। अस्पताल भेजने वाले समाजसेवी रंजीत बावरी ने बताया कि, सुंदर नगर निवासी अजय बाउरी ने मुझे फोन से बताया, कि एक वृद्ध महिला जिसका नाम टोली बाउरी है। उनका निवास स्थान मॉडल स्कूल के सामने है। वह 20 दिन से बिमार रोड पर पड़ी है। उसका शुद्ध लेने वाला कोई नहीं है। मुझे पता चला कि मॉडल स्कूल के पास के रहने वाले निवासी अजय बाउरी, मुन्ना बाउरी, और शंकर बाउरी की वहन है। उन लोगों के घर पर जा कर वृद्ध महिला के भाइयों से मिला। भाइयों ने कहा मेरी बहन से कोई रिश्ता नहीं है। आप लोगों को जो उचित लगे करें। तब मैं चिरकुंडा नगर परिषद के प्रबंधक मुकेश निरंजन को सारी बात बताया, तो उन्होंने नगर परिषद से दो मेस्तर दिए। 108 नंबर डायल करके एंबुलेंस मांगा कर के, धनबाद के स्नैमच अस्पताल भेजना का काम किया। सुंदर नगर का रहने वाला अजय बाउरी ने, वृद्ध महिला को दवा खरीद कर, धनबाद के अस्पताल में भर्ती करने का काम किया।

नों इंट्री में भी झरिया शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश जारी है, पुलिस प्रशासन बना मूकदर्शक

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। झरिया शहर के अंदर बड़ी वाहनों का प्रवेश बेरोक टोक जारी है। शहर के अंदर 9:00 बजे सुबह से रात्रि 9:00 बजे रात तक बड़े वाहनों की नो एंट्री उसके बावजूद नो एंट्री में बड़ी-बड़ी वाहन बहुत ही आसानी से आ जा रही है जबकि वहां पर पुलिस पेट्रोलिंग की गाड़ी मौजूद है और बड़े वाहन शहर के अंदर प्रवेश कर रहे हैं। एक तो झरिया शहर की पूरी तरह से सड़क के दोनों और स्थानीय दुकानदारों का रोड पर कब्जा है ऊपर से उसकी दुकानदारी और उसी के बीच बड़े वाहनों का प्रवेश कहीं ना कहीं पुलिस प्रशासन पर सवालिया निशान लग रहा है , इस संदर्भ में कई बार लिखित रूप से और मौखिक रूप से यातायात पुलिस कर्मियों की नियुक्ति हेतु आग्रह किया गया है जबकि शहर के अंदर तीन-तीन मुख्य अस्पताल हैं वैसी स्थिति में एम्बुलेंस गंभीर मरीज को लेकर के जाते हुए जाम में फंसी और मरीज की मौत तक हो गई , विगत कुछ माह पूर्व एम्बुलेंस जाम में फंस गई परिजन गुहार लगाते रहे परंतु एंबुलेंस को रास्ता तक नहीं मिल पा रहा था , झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के कार्यकर्ताओं के सहयोग से

एंबुलेंस को निकाल कर गंतव्य की ओर भेजा गया इस बाबत धनबाद जिला उपायुक्त माधुरी मिश्रा को लिखित आवेदन दिया गया साथ ही साथ इन समस्याओं से निजात हेतु नगर निगम प्रशासक रविराज शर्मा को भी लिखित देकर अनुरोध किया गया की झरिया शहर को अतिक्रमण से मुक्त किया जाए और यहां यातायात पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की जाए ताकि जाम की समस्या से लोगों को राहत मिले परंतु जिला प्रशासन के उदासीन रवैया श्रेया प्रतीत होता है कि आमजन की समस्याओं से जिला प्रशासन का कोई लेना-देना नहीं है और समस्या विकराल रूप ले चुकी है , झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन शीघ्र ही इन समस्याओं को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने जा रही है। और न्यायालय से ही अब आम लोगों को राहत मिलने का आसार और उम्मीद है , सुनील कुमार पासवान जिला अध्यक्ष संयुक्त सचिव झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन राज्य कमेटी सह सामान्य परिषद सदस्य ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन केंद्रीय कमेटी।

कामरूप जिले में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। कामरूप जिले की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज मंगलवार, 18 फरवरी को कामरूप जिला आयुक्त देब कुमार मिश्र की अध्यक्षता में उत्तरी गुवाहाटी के अभयपुर के कामरूप जिले की पुलिस छावनी में आयोजित की गई। बैठक में कामरूप जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को यथासंभव कम करने के लिए किए जाने वाले उपायों के संबंध में पुलिस, परिवहन, लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एनएचआईडीसीएल जैसी सड़क निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों की उपस्थिति में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। आज बैठक में जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा मानदंडों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर जोर देने के अलावा उन्होंने आबकारी विभाग को कड़ी निगरानी रखने के भी निर्देश दिए ताकि किसी भी कारण से राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे ढाबों पर अवैध रूप से शराब न बेची जाए। जिला आयुक्त ने आबकारी विभाग को उक्त ढाबों पर नियमित छापेमारी करके अवैध रूप से शराब की बिक्री को नियंत्रित करने का पुष्टि करते हुए ऐसे ढाबों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। बैठक में पुलिस और परिवहन विभाग ने बताया कि जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दोनों विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि बैठक में कामरूप जिला पुलिस अधीक्षक रंजन भुइयां, अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रणब दत्ता गोस्वामी, रंगिया सम जिला आयुक्त देबाशीष गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध), सोमालिन सुभद्रशिनी, उत्तरी गुवाहाटी राजस्व सर्कल के सर्कल अधिकारी भास्करज्योति कलिता, अधीक्षक अभियंता कामरूप, लोक निर्माण सड़क विभाग मृदुल दास सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख मौजूद थे । बैठक में यातायात कानून उल्लंघनकर्ताओं की पहचान करने में मदद करने के लिए पर्याप्त संख्या में ब्रेथ एनालाइजर की खरीद, जिन इलाकों में सड़क हादसे हुए है उस इलाके पर जाकर दुर्घटना के कारण की पहचान आदि सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

पीजीआई पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग को पेसिकॉन 2025 में सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार

➤ ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर पुरस्कार जीतना हमारे संस्थान के लिए सम्मान की बात- डॉ तरुण कुमार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान(एसजीपीजीआई) लखनऊ के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के रेजिडेंट्स चिकित्सको एवं संकाय सदस्यो ने पेसिकॉन 2025 में सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार हासिल कर न सिर्फ़ अपने विभाग का बल्कि संस्थान का मान बढ़ाया। बता दें कि दिनांक 14 से 16 फरवरी, 2025 तक अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एआईएमएस), कोच्चि में आयोजित भारतीय बाल चिकित्सा एंडोस्कोपिक सर्जन (पेसिकॉन 25) सम्मेलन में विभिन्न सत्रों में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीतकर संस्थान को गौरवान्वित किया है। इस राष्ट्रीय पीडियाट्रिक इंडोस्कोपिक सर्जरी सम्मलेन में, डॉ. निशांत अग्रवाल तथा डॉ बीजू नायर ने दो-दो तथा डॉ तरुण कुमार एवं डॉ प्रतिभा नायक ने एक-एक शोध पत्र में सर्वश्रेष्ट शोधपत्र का पुरस्कार जीता। डॉ विजय उपाध्याय एवं डॉ अंकुर मंडेलिया ने सम्मलेन में एसजीपीजीआई बाल शल्य चिकित्सा विभाग का नेतृत्व किया तथा आमंत्रित व्याख्यान भी दिया। डॉ अंकुर मंडेलिया व डॉ रोहित कपूर को पीडियाट्रिक इंडोस्कोपिक सर्जन का प्रतिष्ठित फेलोशिप भी प्रदान किया गया। डॉ. तरुण कुमार ने बताया कि यह सम्मेलन सभी पीडियाट्रिक एंडोस्कोपिक सर्जनों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम था, जिसमे देश के प्रमुख विशेषज्ञ इस क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगति और नवाचारों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुये। एसजीपीजीआई की पीडियाट्रिक सर्जरी की टीम अपनी असाधारण शोध प्रस्तुतियों के साथ सामने आई, जिसमें पीडियाट्रिक सर्जरी में अग्रणी तकनीकों, केस सीरीज और मूल कार्य का प्रदर्शन किया गया। शोधपत्रों को उनकी वैज्ञानिक दृढ़ता, नवीन दृष्टिकोण और बाल रोगियों के परिणामों में सुधार लाने में व्यावहारिक निहितार्थों के लिए सराहना मिली। पुरस्कार विजेता डॉ. तरुण कुमार ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए की, 'ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर जीतना हमारे लिए सम्मान की बात है। पीजीआई में हमारे विभाग द्वारा पोषित उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण और उत्कृष्ट अनुसंधान के उपयुक्त वातावरण को दर्शाता है। पीडियाट्रिक सर्जन के रूप में यह हमारे लिए शुरुआत है और हमें उम्मीद है कि पीडियाट्रिक एंडोस्कोपिक सर्जरी की उन्नति में हम योगदान देना जारी रखेंगे।ष् पीडियाट्रिक सर्जरी के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ बसंत कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पीडियाट्रिक सर्जरी और इसकी विभिन्न उप-स्पेशलिटी ने रोगी देखभाल और अनुसंधान में महत्वपूर्ण प्रगति की सम्मेलन में नवीनतम तकनीकी प्रगति पर इंटरैक्टिव सत्र, कार्यशालाएं और चर्चाएं भी शामिल थीं, जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने पीडियाट्रिक सर्जिकल नवाचारों पर अन्तर्दृष्टि साझा की।

23 लाख की चरस के साथ दो गिरफ्तार, बाराबंकी से कानपुर-उन्नाव में करते थे सप्लाई, एसपी ने 25 हजार का इनाम दिया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अंतर्जनपदीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से करीब 23 लाख रुपये कीमत की 4 किलो 630 ग्राम चरस बरामद की गई है। बता दे कि एसपी दीपक भूकर के निर्देश में चल रहे विशेष अभियान के तहत थाना दही पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। सोमवार रात को अंधेरी पुल के नीचे वाहन चेकिंग के दौरान दो संदिग्धों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कानपुर के रशीद अहमद उर्फ छोटू और मोहम्मद अली के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे बाराबंकी से चरस लाकर कानपुर और उन्नाव में इसकी बिक्री करते थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इन तस्करों का किसी बड़े गिरोह से संबंध है। एसपी ने इस सफलता पर गिरफ्तारी करने वाली टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया है। उन्होंने कहा कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई में थाना दही के थानाध्यक्ष संजीव कुमार समेत दरोगा मो. रफीक और अरविंद की अहम भूमिका रही। कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल रजनीश सिंह, अवनीश चौधरी, सिपाही तेजवीर सिंह, कृष्ण प्रताप सिंह, अमित पवार स्वाट टीम उन्नाव से इंस्पेक्टर जय प्रकाश यादव, दरोगा ज्ञान सिंह, हेडकॉन्स्टेबल आशीष मिश्रा, सिपाही रवि कुमार, गौरव कुमार, विकास भदौरिया, नितीश यादव, शुभम कुमार, यशवीर शामिल रहे।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी का 16वां दीक्षांत समारोह संपन्न

➪ अपने क्षेत्र में खुद को छात्र समझकर सीखना ही कामयाबी की कुंजी है- कुंवर मानवेन्द्र सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के 16वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने छात्र-छात्राओं को बुलंदी पर पहुंचने की कुजी देते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्रओं को चाहिए कि सीखने की अपनी आदत को हमेशा बनाये रखें। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र में सदैव सीखते रहना प्रगति की कुंजी है। दीक्षांत समारोह में उपस्थित सभी छात्र-छात्रओं को भाई-बहन से संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि उन्हें समाजसेवा और राजनीति के क्षेत्र में काम करते हुए करीब 45 वर्ष हो गये हैं। राजनीति में बड़े पदों पर रहने का भी अवसर मिला है लेकिन उसके बाद भी मैं स्वयं को इस क्षेत्र का विद्यार्थी ही मानता हूं। दीक्षातं समारोह के अवसर पर 177 छात्र-छात्राओं को डॉक्टरेट की उपाधि दी गयी। इसके अलावा परास्नातक के 1०75 और स्नातक के 2389 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां वितरित की गयीं। इस मौके पर उपस्थित सभी छात्र-छात्रओं से अपील करते हुए श्री सिंह ने कहा अपने क्षेत्र में चाहे जितनी बुलंदी पर पहुंच जाएं लेकिन खुद को छात्र ही समझें। जब तक आपको लगेगा कि हम जिस क्षेत्र में काम कर रहे हैं उसके छात्र ही हैं, तब तक आपके पास आगे बढ़ने के रास्ते होंगे। जब आपको लगेगा कि हम तो मास्टर हो गये, तो फिर आपके पास आगे बढ़ने के रास्ते बंद हो जाएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय से विभिन्न उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा, 'भारत युवाओं का देश है। देश की युवा शक्ति होने के नाते आपका ज्ञान, कौशल एवं आपकी मेधा शक्ति देश के आर्थिक विकास की संवाहक बनेगी।'' समारोह के विशिष्ट अतिथि योजना आयोग के पूर्व सदस्य तथा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अरुण मायरा ने देश के आर्थिक विकास में युवाओं की संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दूसरों को खुले जहन से सुनना किसी भी शिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रम की बुनियादी जरूरत है। उन्होंने छात्र-छात्रओं से और भी ज्यादा संवेदनशील बनने की सलाह देते हुए कहा कि समस्याओं को खुले जहन से सुनने, समझने और उनका हल निकालने की योग्यता पैदा करें। ऐसा होने से ही वे समाज के निर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे। इस मौके पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के संस्थापक और कुलाधिपति प्रो. सैयद वसीम अख्तर ने छात्र-छात्राओं को मिली उपाधियों को समाज में योगदान करने की उनकी जिम्मेदारी करार देते हुए उम्मीद जतायी कि ये डिग्रियां हासिल करने वाले विद्यार्थी अपने देश के विकास के प्रति अपने दायित्व को पूरी संजीदगी से निभाएंगे। कार्यक्रम को संस्थान के कुलपति प्रो. जावेद मुसर्रत ने भी सम्बोधित किया।

काव्य रस साहित्य मंच रायबरेली द्वारा चार साहित्यकारों की वैवाहिक वर्षगांठ पर विशाल ऑनलाइन कवि सम्मेलन संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

रायबरेली / लखनऊ। काव्य रस साहित्य मंच पर वरिष्ठ साहित्यकार शिवनाथ सिंह शिव, पूर्णिमा सुमन और सुधीर रंजन, ईश्वर चंद जायसवाल की वैवाहिक वर्षगांठ पर एक विशाल ऑनलाइन कवि सम्मेलन का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया,जो बीती रात्रि 8.15 से आरंभ होकर 1.25 तक चलता रहा। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार राम मनोहर लाल ने की। कार्यक्रम का आरंभ निधि बोथरा, इस्लामपुर पश्चिम बंगाल द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना से हुआ। स्वागत गीत आभा गुप्ता इंदौर, पटल गीत शिवनाथ सिंह %शिव%, रायबरेली ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्णिमा सुमन, धनबाद, झारखंड सुधीर रंजन ,विशिष्ट अतिथि ईश्वर चंद जयसवाल , संतोष श्रीवास्तव, अतिविशिष्ट अतिथि ओम ऋषि भारद्वाज थे। प्रथम सत्र का संचालन निधि बोथरा इस्लामपुर ने किया, जिसमें दिनेश कुमार दुबे,अवधेश कुमार श्रीवास्तव,रामबहाल सिंह बहाल वाराणसी,डॉ. राजेश शर्मा, सर्जेंट

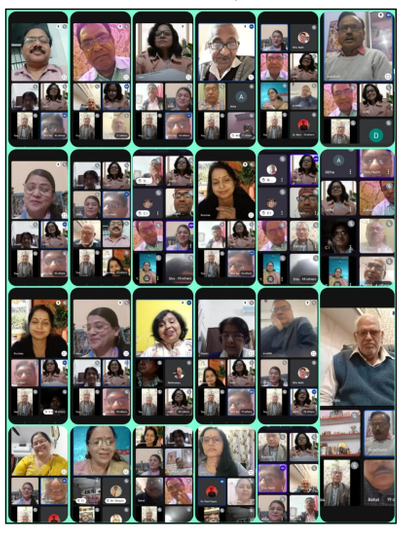

अभिमन्यु ,अरफा साइमन,डॉ. मीना कुमारी परिहार, इंद्रेश भदौरिया अवधी सम्राट रायबरेली,ज्ञानेनद्र पांडेय %अवधी मधुरस %अमेठी,आभा गुप्ता , इन्दौर ने काव्य पाठ किया। द्वितीय सत्र संचालन आभा गुप्ता ने किया, जिसमें रामदेव शर्मा राही छाता मथुरा,राम मनोहर लाल ,छोटे लाल सिंह चौहान रायबरेली,संजूला सिंह , जमशेदपुर, शिवनाथ सिंह शिव रायबरेली,चन्द्रा साहू चर्चित,खालिद हुसैन सिद्दीकी, राम राज भारती लखनऊ, कल्पना केसर , झारखंड, डॉ गीता पांडे , अपराजिता ने काव्य पाठ किया। तृतीय सत्र का संचालन मधुलिका स्वरूप ने किया, जिसमें श्रीपति रस्तोगी, लखनऊ, डॉ. रामप्यारे विश्वकर्मा %राम% चित्रकूट,सुधीर श्रीवास्तव, गोड़ा, गिरिराज शर्मा ठेठ मलिहाबादी, डॉ शशी जयसवाल, ओम ऋषि भारद्वाज, पूर्णिमा सुमन,संजीदा खानम एवं ईश्वर चन्द्र जायसवाल ने काव्य पाठ किया। अतिथियों एवं अध्यक्षीय काव्य पाठ ने सबका मन मोह लिया। चार साहित्यकारों की वैवाहिक वर्षगांठ पर लगातार पांच घंटे दस मिनट तक गीत, गजल,छंद ,मुक्तक एवं सरस काव्य धारा ने सबको बहुत आनंदित किया। अंत में सभी श्रोताओं को धन्यवाद शिवनाथ सिंह शिव ने दिया।

छोटा इमामबाड़े में चौधरी चरन सिंह अवॉर्ड का आयोजन

☐ कई सम्मानित हस्तियों को अवार्ड से नवाज़ा गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार को हुसैनाबाद के ऐतिहासिक छोटे इमामबाड़े में हुसैन डे के अवसर पर इमामिया एजुकेशनल ट्रस्ट ने चौधरी चरन सिंह अवॉर्ड का आयोजन किया, जिसमें कई सम्मानित हस्तियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से कर्बला के वाकिये को याद करते हुए आयोजित किया गया, जो हमें संघर्ष, बलिदान और मानवता की राह पर चलने का संदेश देता है कार्यक्रम में वक्ताओं ने कर्बला के वाकिये को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया, जो सच्चाई, न्याय और मानवाधिकार के लिए खड़े होने की प्रेरणा देता है। इस मौके पर यह भी कहा गया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी इमाम हुसैन का रास्ता अपनाया, जो सत्य और अहिंसा के मार्ग पर आधारित था। महासचिव मौलाना कुमी ने अपने संबोधन में इमाम हुसैन के संदेश और उनकी अद्वितीय संघर्ष की महत्ता पर चर्चा की, जबकि आयोजक मोहम्मद आफ़ाक ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए सभी का धन्यवाद किया। यह आयोजन भारतीय समाज में भाईचारे और सहिष्णुता के महत्व को भी उजागर करता है।

दहशत के 77 दिन : केवल पगचिन्हों के सहारे रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

➲ बाघ को पकड़ने में दोनों हथनियां भी हो रहीं नाकाम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। रहमान खेड़ा में बाघ को आए 77 दिन बीत चुके हैं। बाघ रेस्क्यू आपरेशन में लगी टीमें अभी तक बाघ की सही लोकेशन तक नहीं टेस कर पाई हैं। सिर्फ पगचिन्हों के भरोसे पूरा रेस्क्यू आपरेशन चलाया जा रहा है। बाघ को पकड़ने के लिए कई जिलों के डीएफओ सहित लम्बी चौड़ी टीम लगी है। इतना ही नहीं दुधवा से आई दोनों हथनियां सुलोचना और डायना भी नाकाम साबित हो रही है। बाघ को पकड़ने में विभाग ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। एक्सपर्ट के साथ-साथ हर तक के संसाधन मौजूद हैं। फिर भी बाघ को पकड़ने में पूरी टीम सफल नहीं हो पा रहीं है। अभी कुछ दिन पहले लखनऊ के पारा स्थित एमएम लॉन में शादी समारोह में घुस आए तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के बाद वन विभाग के आलाधिकारियों ने राहत की सांस ली थी कि शायद रहमान खेड़ा में बाघ नहीं इसी तेंदुए ने दहशत फैला रखी थी। टीम ने तेंदुए को दुधवा नेशनल

पार्क में छोड़ा था। वहीं चार दिन बाद सोमवार को एक बार फिर संस्थान के अंदर बाघ के पगचिन्ह मिलने पर अधिकारियों से लेकर पूरी टीम दौड़ भाग फिर से शुरू हो गयी है।

खौफ में बर्बाद हो रही आम की फसल

मलिहाबाद में आम की फसल खराब हो रही है। बागवान बागों की देखभाल करने नहीं पहुंच पा रहे हैं। बौर आने के बाद पेड़ों में जाला कीट पनपने लगता है। इस जाला कीट से बचाने के लिए बागवान दवाओं का छिड़काव नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा किसान खेतों में तैयार हो रही गेहूं समेत अन्य नकदी फसलों को समय से खाद पानी नहीं दे पा रहे हैं। खेतों में तैयार सब्जियों को निकालने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। इसके चलते सब्जियां खेतों में ही बेकार हो रही हैं।

इन गांवों मे है बाघ के आतंक की दहशत

बाघ की दहशत नई बस्ती धनेवा, मोहम्मदनगर, रहमतनगर, हसनापुर, दुगौली, गुरदीन खेड़ा, कटौली, सहिलामऊ, कसमंडी, मंदौली, उलरापुर, बुधड़िया, कुसमौरा, फतेहनगर बहेलिया, बंशीगढ़ी, गोपरा मऊ, रनिया मऊ, कोलवा भनौरा आदि गांवों में है। बाघ के आतंक से ग्रामीण डरे सहमे हुए हैं। फसल बर्बाद होती देख किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें गहराती जा रही हैं।

टीम द्वारा रोज बनती है नई रणनीति

बाघ रेस्क्यू आपरेशन में लगी टीम रोजाना बाघ को पकड़ने के लिए नई रणनीति बनाता है, लेकिन बाघ हर रणनीति को फेल कर देता है। टीम ने बाघ को पकड़ने के लिए गड्ढे खोदे, जिन्दा पड़वा बांधा, पिंजरे रखवाएं, लाउडस्पीकर से निकलवाई बाघिन की आवाज, कानपुर के चिड़ियाघर से बाघिन का पेशाब मंगाकर पिंजरों में डलवाया, पर बाघ हर बार चकमा देकर निकल गया। जगह-जगह लाइव कैमरों से निगरानी रखी गयी। मचान को उंचा-नीचा कर निगरानी की गयी पर सब धरी रह गया। बाघ की जब मर्जी होती है वह संस्थान में रहता है और जब मर्जी होती है वह संस्थान से निकलकर गांवों में टहलने चला जाता है। वन विभाग की टीम को जैसे ही यह अहसास होने लगता है कि बाघ यहां से निकलकर कहीं दूर चला गया है तो बाघ फिर से अपनी दहशत का आभास करा देता है।

समाचार

प्राथमिक विद्यालय को आईडीबीआई बैंक ने की सहायता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार को काकोरी ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय भटखेरवा में एक खास दिन था, जब आईडीबीआई बैंक ने विद्यालय में पढ़ाई और सुविधा को बढ़ाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण मदद दी। बैंक के अधिकारियों ने विद्यालय के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच खुशी की लहर दौड़ा दी। आईडीबीआई बैंक ने छात्रों के बैठने के लिए 15 सेट बेंच और डेस्क, छात्रों और विद्यालय के अभिलेखों के लिए 3 आलमारियां, और 40 लीटर का वॉटर कूलर भेंट किया। इस मौके पर बैंक की शाखा प्रमुख शगुफ्ता खान, ब्रांच अधिकारी उजमा आब्दी, और रीजनल अधिकारी अजय रावत ने विद्यालय पहुंचकर यह सामग्री विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक अरशद अब्बास और ग्राम प्रधान श्रीमती काति देवी को भेंट की। इस अवसर पर शिक्षिका दीपिका कन्नौजिया, शाहीन रिज़वी, शिक्षा मित्र ममता देवी, रसोईया लीला श्रीवास्तव, पुष्पा शर्मा, और विद्यालय के छात्र भी उपस्थित थे। आईडीबीआई बैंक ने इस पहल के जरिए समाज की भलाई में अपनी भागीदारी निभाई और विद्यालय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा और सुविधाओं का रास्ता खोला।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार फाउंडेशन ने रफ़ी अहमद क़िदवई की 131वीं जयंती मनाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और प्रथम कैबिनेट मंत्री रफ़ी अहमद क़िदवई की 131 वीं जयंती पर आज दिनांक 18 फरवरी 2025 को लखनऊ स्थित ऑल इंडिया कैफ़ी आज़मी एकेडमी में जन्मसमारोह का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार फाउंडेशन ने किया। कार्यक्रम में सबसे पहले रफ़ी अहमद क़िदवई पर लिखी प्रसिद्ध शायर जगन्नाथ आज़ाद की नज़्म पढ़ी गई। कार्यक्रम में सबसे पहले भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लेने वाले प्रमुख परिवारों के उत्तराधिकारियों को सम्मानित किया गया। शहीद अशफ़ाक़ उल्ला खां के पौत्र अशफ़ाक़ उल्ला खान (द्वितीय), अलीम क़िदवई तथा फ़वाद क़िदवई आदि को उनके पूर्वजों के महान योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उसके बाद कार्यक्रम की आधिकारिक शुरुआत करते हुए प्रसिद्ध लेखक हफ़ीज़ क़िदवई ने शेख ज़हीरुद्दीन क़िदवई, स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल हलीम क़िदवई तथा रफ़ी अहमद क़िदवई के बक्सर युद्ध से स्वतंत्रता संग्राम तक के संघर्ष का वर्णन किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार फाउंडेशन के महामंत्री मोईन अहमद क़िदवई ने रफ़ी अहमद क़िदवई के जीवन और उनके बाद के प्रभाव पर बात रखी। स्वतंत्रता के बाद विकास और आए हुए बदलाव पर अपने विचार साझा किए, साथ ही बाराबंकी के भारतीय इतिहास में क्या योगदान रहा, इसपर भी रौशनी डाली। रफी साहब के सहयोगी और चचेरे भाई अब्दुल हलीम क़िदवई की 127 वीं जयंती और उनके कामो पर भी विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर रफ़ी अहमद क़िदवई और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें लखनऊ के प्रसिद्ध विचारकों इक़्तेदार फ़ारूक़ी, प्रो रमेश दीक्षित, पीएल पुनिया, फरीद महफ़ूज़ क़िदवई, फ़ैज़ क़िदवई आईएएस, ज़फ़र नक़वी, साबिरा हबीब, सुरेंद्र राजपूत, राजेश पांडे आदि ने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आफ़ताब क़िदवई ने की और संचालन सुल्तान शाकिर हाशमी ने किया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता रूपरेखा वर्मा, अमीर हैदर, ज़फ़र नक़वी, राजनाथ शर्मा, अतीक क़िदवई, पवन यादव, आशीष डिगडिगा, सबाहत आफरीन, नाईश हसन, राकेश पांडेय, रामकिशोर, अनुराग शुक्ला, सानिध्य अवध, नौशाद क़िदवई, आशीष आनंद, फरहीम हुसैन इत्यादि ने हिस्सा लिया।

यूपी बोर्ड : विज्ञान विषय के लिए आज से खुलेगी हेल्पलाइन

● छात्र फोन करके सीधे विशेषज्ञों से अपनी शंका का कर सकते हैं समाधान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों को बेहतर अंक लाने के टिप्स विशेषज्ञ देंगे। इसके लिए संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक लखनऊ मण्डल और विज्ञान प्रगति अधिकारी की ओर से छात्र-छात्राओं के लिए लगातार हेल्प लाइन और प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से मार्गदर्शन किया जा रहा है। यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग के परीक्षार्थियों के लिए विज्ञान विषयों और अंग्रेजी में बेहतर प्रदर्शन के लिए विज्ञान चेतना हेल्पलाइन शुरू की गयी है। जो कि 19 फरवरी को 4 घंटे के लिए खुली रहेगी। इस दौरान छात्र फोन करके सीधे विशेषज्ञों से अपनी शंका का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक लखनऊ मण्डल डॉ. प्रदीप कुमार और मंडल के विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार के निर्देशन में बोर्ड परीक्षा-2०25 इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग के छात्रों को उनके मुख्य विषयों गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अंग्रेजी में अच्छे अंक प्राप्त करने के टिप्स व शंका समाधान करने के उद्देश्य से विशेषज्ञों की टीम बैठेगी। डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थी 19 फरवरी दिन बुधवार की अपरान्ह 12 बजे से 4 बजे तक फोन करके विषय के जानकारों से सुझाव ले सकते हैं। हेल्पलाइन नंबर 19 फरवरी को 12 बजे दिन से 4 बजे के बीच विज्ञान चेतना हेल्पलाइन नम्बर 9415664679 पर छात्र कॉल कर अपने प्रश्न विशेषज्ञों से पूछ सकते हैं।

ये विशेषज्ञ देंगे विद्यार्थियों के सवालों का जवाब

रसायन विज्ञान- डॉ. दिनेश कुमार, विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल

रसायन विज्ञान- डॉ. संगीता साहू, प्रवक्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मलिहाबाद लखनऊ

भौतिक विज्ञान- डॉ. अरविन्द कुमार वर्मा, प्रधानाचार्य, राजकीय हाईस्कूल सिपाह खैराबाद, सीतापुर

जीव विज्ञान - दीप्ति विश्वकर्मा प्रवक्ता, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सरोसा लखनऊ

गणित- पवन कुमार तिवारी, कुम्हरावां इंटर कॉलेज लखनऊ

अंग्रेजी- वन्दना तिवारी प्रवक्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सरोसा लखनऊ

पुनर्वास व एएआई की शोध टीम के सात डिजाइन यूके में हुए पेटेंट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने ड्रोन तकनीक में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। पुनर्वास विवि और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की संयुक्त शोध टीम के साथ डिजाइन को यूके में पेटेंट मिला है। पेटेंट मिलने पर कुलपति प्रो. संजय सिंह ने विशेष रूप से विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक दिनेश कुमार निषाद, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सहायक महाप्रबंधक डॉ. सैफुल्लाह खालिद और धर्मेंद्र प्रकाश तथा टीम के अन्य सदस्यों मिधुन चक्रवर्ती, शशि कांत गुप्ता और अल्केश अग्रवाल की इस उपलब्धि की सराहना की है। इन प्रौद्योगिकियों का उपयोग हवाई अड्डों पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग, राजमार्गों पर यातायात सुरक्षा, रेल परिवहन में दृश्यता बढ़ाने और शहरी क्षेत्रों में कोहरे से होने वाली समस्याओं के समाधान में किया जा सकता है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय और एएआई के बीच अकादमिक-उद्योग सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो भविष्य में और अधिक नवाचारों का मार्ग प्रशस्त करेगी।

सम्मान समारोह में कैलाश खेर, जावेद अली और सुरेश रैना बीखेरेंगे जलवा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ में चल रहे टेनिस बॉल क्रिकेट के महाकुंभ एलएलसी टेन 10 का क्रेज शहरवासियों के बीच बेतहाशा बढ़ता जा रहा है। मैचों में चौकों और छक्कों की बारिश हो रही है, और हर कोई इस महाकुंभ का हिस्सा बनना चाहता है। लखनवाइट्स के इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए, कैलाश खेर, जावेद अली और सुरेश रैना जैसे सुपरस्टार्स जल्द ही एलएलसी टेन 10 में अपना जलवा बिखेरने के लिए आ रहे हैं। 21 फरवरी को सुरेश रैना और जावेद अली, जबकि 22 फरवरी को कैलाश खेर की मौजूदगी से एलएलसी टेन 10 का समापन समारोह और भी खास हो जाएगा। केडी सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में 13 फरवरी से शुरू हुए इस महासंग्राम में 12 टीमों के 204 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। इस लीग में कुल 24 मुकाबले खेले जाने हैं, जो 13 से 22 फरवरी तक चलेंगे। लीग का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया था, और खास मेहमान के तौर पर वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ब्रेट ली भी मौजूद थे। हरभजन सिंह ने भी इस लीग के चार टीमों के मेंटर के रूप में खिलाड़ियों को क्रिकेट की बारीकियां सिखाईं। एलएलसी टेन 10 के समापन समारोह में

12 टीमों के सभी खिलाड़ी, कोच और टीम मालिक स्टेडियम में उपस्थित होंगे। इस लीग का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी पुरस्कार राशि है। विजेता टीम को 10 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि उपविजेता टीम को 5 लाख रुपये मिलेंगे। फाइनल में मैन ऑफ द सीरीज को भी पुरस्कार मिलेगा, और एक आकर्षक निसान मैग्नाइट कार और एथर इलेक्ट्रिक बाइक को टॉप खिलाड़ियों को इनाम के तौर पर दिया जाएगा। अब तक, इस लीग में कई प्रमुख हस्तियों जैसे सुहास एल.वाई (खेल सचिव, यूपी), प्रसार भारती चेयरमैन नवनीत सहगल, डीएम विशाख जी अय्यर, महापौर सुषमा खर्कवाल, और मंत्री धर्मपाल सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

यूपी विधानसभा में अंग्रेजी भाषा पर हंगामा- डॉ. राजेश्वर सिंह ने सपा को वास्तविकता समझने और दूरदर्शी सोच अपनाने की सलाह दी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने समाजवादी पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश विधानसभा में अंग्रेजी भाषा के विरोध को लेकर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी ग्लोबल सिटीजन है, और उसे अंग्रेजी भाषा से वंचित करना उनके करियर, शिक्षा और वैश्विक अवसरों पर कुठाराघात है। डॉ. सिंह ने बताया कि विश्वभर में 1.5 अरब से अधिक लोग अंग्रेजी बोलते हैं, और इंटरनेट पर 60त से अधिक सामग्री अंग्रेजी में उपलब्ध है। ऐसे में, इस भाषा का ज्ञान रखना न केवल आवश्यक बल्कि सफलता के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करते हुए बताया कि, अंग्रेजी जानने वाले लोग औसतन 30त अधिक वेतन पाते हैं। दुनिया के 50त शीर्ष विश्वविद्यालय अंग्रेजी में कार्यक्रम संचालित करते हैं। 75त अंतरराष्ट्रीय नौकरियों के लिए अंग्रेजी अनिवार्य है। अंग्रेजी 70 देशों की आधिकारिक भाषा है। हर दिन 2 अरब से अधिक लोग अंग्रेजी में संवाद करते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी का यह विरोध प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के खिलाफ एक षड्यंत्र है। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में अंग्रेजी का विरोध करना प्रगति में बाधा डालने जैसा है। विधायक ने समाजवादी पार्टी से सामाजिक और आर्थिक सच्चाई को समझने और भविष्य की संभावनाओं के अनुरूप सोचने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शहरी बाढ़ प्रबंधन और जल निकासी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास विभाग और कंस्ट्रक्शन एंड डिज़ाइन सर्विसेज द्वारा आयोजित %शहरी बाढ़ प्रबंधन और जल निकासी% पर नगरीय निकाय निदेशालय, लखनऊ में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही। इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्य में शहरी बाढ़ से संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए जल प्रबंधन पर तकनीकी विशेषज्ञता और ज्ञान को बढ़ाना है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में नगर विकास विभाग के सचिव एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के निदेशक अनुज कुमार झा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बढ़ते शहरीकरण के दौर में सतत शहरी जल निकासी समाधानों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, तीव्र विकास और जलवायु परिवर्तन के कारण शहरी बाढ़ एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। यह कार्यशाला शहरी योजनाकारों और अभियंताओं को जल प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों को अपनाने में मदद करेगी, जिससे हमारे शहर प्रतिकूल मौसम की स्थितियों से निपटने में सक्षम बनेंगे। उन्होंने कुशल जल निकासी प्रणालियों के कार्यान्वयन और उनके नियमित रखरखाव में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला को नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमृत अभिजात ने संबोधित करते हुए कहा कि शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रभावी जल निकासी केवल बाढ़ रोकथाम के बारे में नहीं है; यह स्थायी, रहने योग्य शहरों के निर्माण के बारे में है। हमारा दृष्टिकोण आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों को वर्षा जल संचयन और अवरोधन तालाबों जैसे प्राकृतिक समाधानों के साथ एकीकृत करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि समग्र जल प्रबंधन रणनीति के लिए नगर निकायों, अभियंताओं और नीति निर्माताओं सहित विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। नगर विकास विभाग के विशेष सचिव श्री सत्य प्रकाश पटेल ने उत्तर प्रदेश में शहरी जल निकासी प्रणाली की स्थिति, शहरी बाढ़ के कारणों और शहरी जल निकासी की आवश्यकता के साथ-साथ उत्तर प्रदेश जल निकासी प्रणाली दिशानिर्देशों पर एक सत्र का नेतृत्व किया। उनके सत्र ने राज्य की मौजूदा जल निकासी संरचना और आगे की राह की गहन समझ प्रदान की। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता श्री वी.के. निरंजन ने जल प्रबंधन में चुनौतियां, महत्व और समाधान पर एक सत्र आयोजित किया, जिसमें विभिन्न हितधारकों द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख चिंताओं को संबोधित किया गया। शहरी बुनियादी ढांचा विशेषज्ञ डॉ. एस.एम. शुभानी ने डेटा संग्रह, सर्वेक्षण और जांच, जलग्रहण क्षेत्रों का सीमांकन और एकीकृत शहरी जल निकासी मास्टर प्लान पर एक तकनीकी सत्र प्रस्तुत किया। उनके विचारों ने जल प्रबंधन में सटीक डेटा और रणनीतिक योजना के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। सी एंड डीएस, उत्तर प्रदेश जल निगम (शहरी) के महाप्रबंधक इंजीनियर नौशाद अहमद ने वर्षा विश्लेषण और अपवाह अनुमान पर एक सत्र आयोजित किया, जिसमें कुशल जल निकासी प्रणालियों के डिजाइन के लिए आवश्यक जल विज्ञान संबंधी मूल्यांकन पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। दिन का अंतिम सत्र सीपीएचईओ के पूर्व सलाहकार डॉ. एम. धीनदयालन द्वारा आयोजित किया गया, जिन्होंने जल निकासी प्रणाली मैनुअल (अगस्त 2०19) के महत्वपूर्ण प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की। उनकी प्रस्तुति ने प्रभावी जल प्रबंधन के लिए प्रमुख नियामक ढांचे और सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दूसरे दिन उन्नत तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें अवरोधन तालाबों का उपयोग, वर्षा जल संचयन, पूर्व चेतावनी प्रणालियां और जल निकासी प्रणालियों का हाइड्रोलिक डिजाइन शामिल है। आईआईटी रुड़की और उत्तर प्रदेश जल निगम के विशेषज्ञ आगे तकनीकी अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे। यह कार्यशाला उत्तर प्रदेश भर में शहरी योजनाकारों और अभियंताओं को शहरी क्षेत्रों में बेहतर बाढ़ प्रतिरोध सुनिश्चित करने के लिए जल निकासी बुनियादी ढांचे में सुधार हेतु महत्वपूर्ण ज्ञान और रणनीतियों से लैस करने के लिए आयोजित की गई है।

संपादकीय

तंत्र की नाकामी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भयावह भगदड़ में जिन 18 लोगों की जान गई, उसे महज दुर्घटना नहीं कहा जा सकता। सही मायने में यह योजना, दूरदर्शिता और जवाबदेही की विफलता थी। जैसा कि पहले से पता था कि रोज हजारों तीर्थयात्री प्रयागराज महाकुंभ के लिये ट्रेनों में चढ़ने के लिये उमड़ रहे थे, अधिकारी उस भारी भीड़ का अनुमान लगाने और उसे प्रबंधित करने में विफल रहे। जिसके चलते यह दुखद हादसा घटित हुआ। पूर्व रेल मंत्री पवन बंसल समेत कई विपक्षी नेताओं ने रेल मंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग है। उनका कहना है कि यात्रियों की अप्रत्याशित संख्या में वृद्धि को देखते हुए भीड़ नियंत्रण के लिये उपाय करने में सरकार विफल रही है, जो एक गंभीर चूक है। निस्संदेह, महाकुंभ पहली बार नहीं हो रहा है। रेलवे यातायात संचालन में इसके पैमाने और प्रभाव का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद इस त्रासदी का सामने आना कई सवालों को जन्म देता है। सवाल मृतकों व घायलों को दिये जाने वाले मुआवजे को लेकर भी है। जबकि सामान्य दिनों में वर्ष 2023 की मुआवजा निर्देशिका में निर्धारित मुआवजा राशि में बड़ा अंतर है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार प्रणालीगत मुद्दों को ठीक करने के बजाय नकद भुगतान बढ़ाकर तंत्र की साख को हुई क्षति की पूर्ति का प्रयास कर रही है। यही वजह है कि विपक्षी दल रेलमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। हादसे की सूचना की लीपापोती को लेकर भी सवाल उठे हैं। कहा जा रहा है कि ऐसे रेल हादसों के वक्त रेलमंत्री के रूप में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए लाल बहादुर शास्त्री और नीतीश आदि ने अपने पद से त्यागपत्र दिए थे। दरअसल, इस्तीफे से परे रेलवे में प्रणालीगत सुधार की भी आवश्यकता है। भारतीय रेलवे को अपने भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल में सुधार करने की जरूरत है। खासकर धार्मिक पर्वों और त्योहार की भीड़ के दौरान अतिरिक्त सावधानी की जरूरत महसूस की जाती है।सही मायनों में दिल्ली समेत तमाम रेलवे स्टेशनों में तीर्थयात्रियों की अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए टिकटों के वितरण और नई ट्रेनों के संचालन को लेकर जिस संवेदनशील प्रशासन की जरूरत थी, वह नजर नहीं आया। ट्रेनों के आने के समय और उनके स्थगित होने पर कारगर वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत थी,वह नजर नहीं आई। दिल्ली हादसे के बारे में कहा जा रहा है कि एक नाम की दो ट्रेनों को लेकर मची भगदड़ हादसे की वजह बनी। एक अनुमान के अनुसार रेलवे प्रयागराज जाने वाले यत्रियों के लिए हर घंटे डेढ़ हजार सामान्य टिकट जारी कर रहा था। जिसके चलते प्लेटफॉर्मों पर तिल धरने की जगह नजर नहीं आ रही थी। निश्चित जगह में बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने तथा सीमित मात्रा में टिकट जारी करने की जरूरत थी। पैदल यात्रियों के लिये बने ओवरब्रिज पर लोग पहले ही बैठे थे और नई ट्रेन के आने की घोषणा से मची भगदड़ में कुछ लोग गिरे तो अन्य कई लोग गिरते गए, और दुखद हादसा हो गया। अनुमान लगाना चाहिए था कि सप्ताहांत में यात्रियों की संख्या बढ़ेगी, उसी हिसाब से चौकस सुरक्षा तथा ट्रेनों का संचालन व टिकट वितरण किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में तीर्थ यात्रियों के रेल में असुरक्षित सफर करने के वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार आ रहे थे। यहां तक कि कंफर्म टिकट वाले यात्री भी ट्रेनों में जगह नहीं पा रहे थे। आरक्षित डिब्बों में घुसने के लिये टकराव तक देखा जा रहा था। रेलवे को सुनिश्चित करना चाहिए था कि सफर के लिये यात्री अपनी जान को जोखिम में न डालें। यात्रियों के स्तर पर भी जिम्मेदार व अनुशासित व्यवहार होना चाहिए था। तीर्थयात्रियों में जो संयम व धैर्य होना चाहिए, वह भी अव्यवस्था के चलते चूकता नजर आया है। सही मायनों में तीर्थयात्री यदि अपनी सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें तो ऐसे हादसे टाले जा सकते हैं। दरअसल, भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में भीड़ प्रबंधन के वैज्ञानिक तौर-तरीके अपनाये जाने की जरूरत है। मुट्ठीभर पुलिसकर्मियों के सहारे भीड़ नियंत्रण संभव नहीं है। बहरहाल, हादसे की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

झूठ के कुंभ में अनास्था की डुबकी

राजेंद्र शर्मा

हैरानी की बात यह नहीं है कि शासन और रेलवे प्रशासन को आखिरकार, शनिवार 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में, अठारह मौतों और कई लोगों के घायल होने की बात स्वीकार करनी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि शासन और रेलवे प्रशासन ने भगदड़ और उसमें मौतों के तथ्य को ही नकारने की तमाम कोशिशें की थीं। लेकिन, शायद इस बार के कुंभ के सिलसिले में जान गंवाने वालों के परिजनों की किस्मत में, इन मौतों का इस तरह नकारा जाना ही लिखा है। नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ पर ही पर्दा डालने की जैसी कोशिशें की गयी थीं, वही सब इससे पहले प्रयागराज में कुंभ स्नान भगदड़ के मामले में किया चुका था। सच तो यह है कि प्रयागराज भगदड़ मामले को छुपाने की कोशिशें और भी दूर तक जारी रही थीं बल्कि जानकारों के अनुसार तो अभी तक यह सिलसिला किसी न किसी रूप में जारी ही है। प्रयागराज मामले में भी, पहले कई घंटे तक तो अफवाह करार देकर, भगदड़ की किसी भी घटना को नकारने की ही कोशिश की गयी थी। फिर कुछ और घंटे बाद, भगदड़ जैसी होने और उसमें कुछ लोगों के चोटिल होने की बात मानी गयी। और घटना के पूरे उन्नीस घंटे बाद ही भगदड़ में तीस मौतों और करीब दर्जन भर लोगों के घायल होने की बात मानी गयी। यह दूसरी बात है कि तब तक यूट्यूबरों तथा मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से द्वारा दी जा चुकी खबरों के अनुसार, पूरे मेला क्षेत्र में उस दिन एक नहीं तीन स्थानों पर भगदड़ की घटनाएं हुई थीं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या, सरकार द्वारा दिए गए तीस के आंकड़े से तीन गुनी नहीं तो, दोगुनी से ज्यादा जरूर थी। पीयूसीएल की खोजी टीम की रिपोर्ट के अनुसार, मौतों की कुल संख्या को कम कर के दिखाने के लिए शासन ने तीन अलग-अलग अस्पतालों में पोस्टमार्टम कराने समेत, तरह-तरह के हथकंडों का सहारा लिया था।बहरहाल, मौतों तथा घटनाक्रम के सरकारी दावों पर सवाल खड़े करने वाली तमाम रिपोर्टों तथा सामने आयी तमाम जानकारियों का योगी सरकार ने नोटिस तक लेने से इंकार कर दिया और सारी खबरों की ओर से आंख-कान बंद कर के सरकार, इस उम्मीद में कि उसके प्रचार के सामने सब कुछ भुला दिया जाएगा, सब कुछ सुचारु रूप से चल रहा होने का अपना ढोल पीटने में लग गयी। इसी के हिस्से के तौर पर पहले उप-राष्ट्रपति और फिर राष्ट्रपति को ही नहीं, देश के सबसे बड़े धनपतियों में से एक, अंबानी परिवार को बाकायदा वीवीआईपी स्नान कराया गया। उप-राष्ट्रपति ने तो भगदड़ में तीस मौतों की बात तब तक स्वीकार कर लिए जाने के बावजूद, कुंभ की व्यवस्थाओं को न भूतो न भविष्यति का बाकायदा सर्टिफिकेट ही दे दिया था। जाहिर है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे या उनसे जुड़े लोगों के वीवीआईपी दर्जे पर, खूनी भगदड़ के बाद जारी इस सरकारी आदेश का कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला था कि सारे वीआईपी पास निरस्त किए जाते हैं। वास्तव में, विभिन्न रिपोर्टों में प्रयागराज में हुई भगदड़ के मुख्य कारणों में कुंभ की वीआईपी संचालित व्यवस्था को सबसे प्रमुख माना गया था, जिसमें मेला क्षेत्र और रास्तों के बड़े हिस्से को, वीआईपी गण के लिए सुरक्षित करने के जरिए, आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध जगह और रास्तों को, उनकी भारी भीड़ को देखते हुए, और भी छोटा कर दिया गया था।

इसी तरह,नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ और मौतों की पर्दापोशी की कोशिशों में शीर्ष पर दिल्ली के लेफ्टीनेंट गवर्नर से लेकर रेल मंत्री तक शामिल थे। हद तो यह थी कि हादसे की जानकारी मिलने पर लेफ्टीनेंट गवर्नर ने भगदड़ और उसमें हुई मौतों पर खेद जताते हुए जो ट्वीट किया था, उसे तब वापस ले लिया गया, जब लेफ्टीनेंट गवर्नर को इसका एहसास हुआ या यह याद दिलाया गया कि संभवतरू सरकार पूरी घटना पर ही पर्दा डालना चाहती है। लेफ्टीनेंट गवर्नर ने अब संशोधन कर के नया ट्वीट जारी किया, जिसमें भगदड़ और मौतों, दोनों का जिक्र गायब किया हो चुका था। जाहिर है कि अंत में एक बार फिर जगहंसाई कराते हुए, लेफ्टीनेंट गवर्नर को घटना में मौतों पर शोक जताना ही पड़ा। कुछ ऐसी ही जगहंसाई रेल मंत्री के भी हिस्से में आयी। बहरहाल, सत्ता में बैठे लोगों के जगहंसाई की परवाह न करते हुए, सत्ता के झूठे आख्यान बल्कि झूठे प्रचार तथा दावों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर होने में तो अब शायद ही कोई हैरानी की बात रह गयी है। लेकिन दुर्भाग्य से अब हैरानी की बात मुख्य धारा के मीडिया के बड़े हिस्से के तत्परता से इस खेल में हिस्सेदार बन जाने में भी नहीं रह गयी है। लेफ्टीनेंट गवर्नर से भी ज्यादा हंसी का पात्र बनते हुए, समाचार एजेंसी श्एएनआईश् ने पहले पूरी वफादारी से लेफ्टीनेंट गवर्नर का हादसे पर दुरूख जताने वाला ट्वीट प्रकाशित किया। उसके बाद उसी एजेंसी ने बिना किसी टीका-टिप्पणी के लेफ्टीनेंट गवर्नर का ना कोई भगदड़, ना कोई मौत वाला संशोधित ट्वीट प्रकाशित किया। और अंततरू उतनी ही वफादारी से मौतों पर खेद जताने वाला ट्वीट जारी किया।

सभी जानते हैं कि मुख्यधारा के मीडिया के अधिकांश हिस्से और सोशल मीडिया के भी बड़े हिस्से के गोदीकरण के बल पर ही, भगदड़ में बड़ी संख्या में मौतों जैसी आसानी से न छिपाई जा सकने वाली सच्चाइयों पर भी, मौजूदा निजाम न सिर्फ पर्दा डालने की जुर्रत कर पाता है बल्कि उन पर पर्दा डालने की कोशिशों में काफी हद तक कामयाब भी हो जाता है। मौजूदा निजाम की इस कामयाबी का एक प्रमुख रूप यह भी है कि जिन सच्चाइयों को पूरी तरह से दबाना ही संभव न हो उन्हें भी, उजागर हो जाने के बाद भी, मीडिया पर इसी नियंत्रण के सहारे जल्द से जल्द चर्चा से बाहर करने के जरिए, दफन कर दिया जाता है। प्रयागराज भगदड़ की मौतों के मामले में ठीक यही हुआ है। और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ के मामले में भी ठीक यही करने की कोशिशें की जा रही हैं।

इसी के हिस्से के तौर पर नई दिल्ली स्टेशन भगदड़ के मामले मृतकों के परिवारजनों को, रात में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद न सिर्फ शव सौंप दिए गए बल्कि सरकार के अपने तमाम नियम-कायदों को ताक पर रखकर, परिजनों को दस-दस लाख रुपए की नकद सहायता राशि भी मुंह अंधेरे ही पकड़ा दी गयी। मकसद यही था कि परिवारजन जल्द से जल्द लाश लेकर, मीडिया और खबरों से दूर, अपने गांवों के लिए निकल जाएं। खबरों के अनुसार, पुलिस के सिपाहियों के साथ वाहनों से लाशों को जल्द से जल्द रवाना करने पर ही सारा जोर था। ऐसा लगता है कि प्रयागराज की घटना से पर्दापोशी का यही सबक दिल्ली प्रकरण को संभालने वालों ने लिया था।प्रयागराज प्रकरण के विपरीत, उन्होंने लाशों को जल्द से जल्द, घटनास्थल से दूर से दूर भिजवाने का, पूरा इंतजाम किया था। हैरानी की बात नहीं है कि भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख, अमित मालवीय ने रविवार को ही इसकी तस्वीरें ट्विटर पर भी डालनी शुरू कर दी थीं कि कैसे नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सब कुछ सामान्य था! आशय यह कि इसके बाद, भगदड़ और मौतों की चर्चा पर पटाक्षेप हो जाना चाहिए। बेशक, दुर्घटनाओं समेत अप्रिय घटनाओं की सच्चाइयों के सत्ताधारियों द्वारा एक हद तक छुपाए जाने में कुछ भी असामान्य नहीं है। आखिरकार, ऐसी घटनाओं से शासन तथा सत्ताधारियों की कुशलता पर सवाल उठते हैं और इन सवालों को दबाने की कोशिश में, सच्चाइयों को छुपाने की कोशिश भी की जाती है। ऐसा करने से अपवाद स्वरूप, केरल की कम्युनिस्ट सरकार जैसी कोई ऐसी सरकार ही बची रह सकती है, जो ऐसी किसी भी मुश्किल के समय में अपनी समुचित सक्रियता और जन-भागीदारी सुनिश्चित करने की तत्परता से, लोगों का भरोसा जीत सकने का विश्वास रखती हो। लेकिन, नरेंद्र मोदी के राज में तो जनता की दुरूख-तकलीफ की सच्चाइयों को, सिरे से नकारने को ही नियम या नया नॉर्मल बना दिया गया है। पहली बार नोटबंदी के समय में बड़े पैमाने पर यह देखा गया था।

नया टैक्स बिल 2025 : पारदर्शिता या डिजिटल निगरानी?

सचिन श्रीवास्तव

भारत सरकार ने नया टैक्स बिल 2025 संसद में पेश किया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कर प्रणाली को सरल बनाना और कर प्रशासन को तकनीकी रूप से अधिक उन्नत बनाना है। यह विधेयक 1961 के आयकर अधिनियम की जगह लेगा और 2026 से प्रभावी होने की संभावना है। यह न केवल करदाताओं के लिए बल्कि भारत की आर्थिक और डिजिटल संरचना के लिए भी महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा।नए विधेयक के तहत कर अधिकारियों को करदाताओं के डिजिटल डेटा, सोशल मीडिया गतिविधियों, ऑनलाइन लेन-देन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंचने की अनुमति दी गई है। सरकार का तर्क है कि इससे कर चोरी पर नियंत्रण आसान होगा, लेकिन इससे निजता के अधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है। यह सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे को भी प्रभावित कर सकता है। विधेयक में कर से जुड़े शब्दों और प्रावधानों को सरल भाषा में लिखा गया है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से समझ सकें। उदाहरण के लिए, असेसमेंट ईयर्य को टैक्स ईयरश् से बदला गया है। इससे कर अनुपालन दर बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। पहली बार क्रिप्टो करेंसी को कर कानून के दायरे में लाया गया है। अब इसे अघोषित आय की श्रेणी में रखा गया है और कर अधिकारियों को डिजिटल संपत्तियों की जब्ती का अधिकार दिया गया है। इससे क्रिप्टो निवेशकों में चिंता बढ़ सकती है और निवेश प्रवृत्तियों में बदलाव आ सकता है। यदि कोई एनआरआई भारत में रुपए 15 लाख या उससे अधिक की आय अर्जित करता है, तो उसे भारतीय करदाता माना जाएगा। इससे भारत में निवेश करने वाले अनिवासी भारतीयों पर प्रभाव पड़ सकता है।

टैक्स प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की कोशिश निवेशकों के लिए भारत को अधिक आकर्षक बना सकता है। हालांकि, डिजिटल निगरानी का बढ़ा हुआ दायरा विदेशी कंपनियों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। सरल भाषा और पारदर्शिता कर अनुपालन को बढ़ाने में मदद कर सकती है। करदाता अब जटिल कानूनी प्रावधानों से बच सकेंगे, जिससे सरकार को अधिक राजस्व मिल सकता है। सरकार का बढ़ता डिजिटल हस्तक्षेप नागरिकों की निजता पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है। यदि डेटा सुरक्षा कानून मजबूत नहीं किए गए, तो यह विधेयक सरकार के लिए आलोचना का कारण बन सकता है। क्रिप्टो करेंसी पर सख्त नियमों से इस क्षेत्र में निवेश की गति धीमी हो सकती है। निवेशक अधिक लचीले कर नियमों वाले देशों की ओर रुख कर सकते हैं। सरकार कर अधिकारियों को डिजिटल निगरानी का अत्यधिक अधिकार दे रही है, जिससे नागरिकों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यह निगरानी राज्य के रूप में सरकार की छवि बना सकता है। नए डिजिटल अनुपालन मानदंडों को पूरा करना छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए कठिन हो सकता है। इससे उनका प्रशासनिक खर्च बढ़ सकता है। विधेयक में कर दरों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। यदि उच्च कर दरें लागू की जाती हैं, तो इससे मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। भारत में 15 लाख से अधिक कमाने वाले एनआरआईएस को निवासी करार देने से कानूनी विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। इससे विदेशी निवेश और प्रवासी भारतीयों के भारत में व्यापार करने की इच्छा प्रभावित हो सकती है। सरकार का यह कदम कर चोरी को रोकने और कर संग्रह बढ़ाने में मदद कर सकता है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया जाए, तो भारत की कर व्यवस्था अधिक कुशल और पारदर्शी बन सकती है। इस विधेयक में निगरानी संबंधी प्रावधानों के कारण नागरिकों की निजता की सुरक्षा के लिए मजबूत डेटा सुरक्षा कानून बनाना आवश्यक होगा। भारत में क्रिप्टो करेंसी के लिए स्पष्ट कर नियम आवश्यक होंगे, ताकि निवेशकों को अनिश्चितता से बचाया जा सके और सरकार को राजस्व का लाभ मिल सके। भले ही यह विधेयक टैक्स प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसे लगातार अद्यतन करने की जरूरत होगी ताकि यह बदलती अर्थव्यवस्था और तकनीकी परिदृश्य के अनुकूल बना रहे। नया टैक्स बिल 2025 कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने का प्रयास करता है। यह डिजिटल कराधान, क्रिप्टो करेंसी और अनिवासी भारतीयों से जुड़े मुद्दों को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि, इसमें निजता की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी के दुरुपयोग, छोटे व्यवसायों पर प्रभाव और विदेशी निवेश पर संभावित असर जैसी चुनौतियां भी हैं। यदि सरकार इन खामियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाती है, तो यह विधेयक भारत की कर प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार ला सकता है।

मेष :- आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार है। शिक्षा क्षेत्र में जुड़े सभी छात्रों को परिश्रम करने की आवश्यकता है।

बृषभ :- स्वयं पर भरोसा कर योजनाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित करें। संबंधों में सरल व व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। आर्थिक चिंता संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं।

मिथुन :- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध मन को हतोत्साहित करेगा। संबंधों के प्रति नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन मे उत्साह का संचार होगा। क्रोध पर नियंत्रणरखें।

कर्क :- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। पत्नी के स्वास्य का ध्यान रखें।

सिंह :- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

कन्या :- समस्याओं के समाधान हेतु मन नए युक्तियों पर केन्द्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। शिक्षा-प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

तुला :- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में सन्तुलित व मधुर वाणी का प्रयोग करें। कोई आपका अपना बिगड़े हुए सम्बन्धों मे सुधार कराएगा। किसी कार्य से संपन्न होने के आसार हैं।

वृश्चिक :- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु सन्तुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में संबंधों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कठिनाइयां संभव। मधुर वाणी का प्रयोग करें।

धनु :- नए समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय सम्बनध मे प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

बिहार विधानसभा चुनाव : कांग्रेस पर नजरें

वैसे तो बिहार विधानसभा के चुनाव होने में अभी कुछ महीनों का वक्त है, पर अचानक कांग्रेस की सक्रियता ने लोगों का ध्यान इसकी ओर खींच लिया है। प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के गठन के समय से ही राहुल गांधी इस राज्य में कई बार आ चुके हैं तथा राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं-लालूप्रसाद यादव व उनके बेटे तेजस्वी यादव (पूर्व उप मुख्यमंत्री) के साथ उनके बढ़िया तालमेल के चलते यह तो माना ही जा रहा है कि कांग्रेस-आरजेडी मिलकर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड के भी मिलकर लड़ने की सम्भावना अब तक तो बनी हुई है, लेकिन देखना यह भी होगा कि दोनों दलों के द्वारा वाकई कितने संगठित तरीके से इंडिया का मुकाबला किया जायेगा क्योंकि एक तरफ तो भाजपा के बीच यह भावना उभर आई है कि (बकौल विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री व भाजपा नेता) श्पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को तभी सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी जब बिहार में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनती है।श् दूसरी ओर, साथ मिलकर राज्य की सरकार चलाते हुए भी नीतीश कुमार श्प्रगति यात्राश् के नाम से राज्यव्यापी दौरा कर रहे हैं जिसमें भाजपा शामिल नहीं है। कुछ पिछले और कुछ भावी सियासी घटनाक्रमों के बीच बनने वाले किन सम्भावित समीकरणों के तहत चुनाव लड़ा जायेगा, यह देखना दिलचस्प होगा क्योंकि कांग्रेस यह चुनाव पूरे दमखम से लड़ने की तैयारियों में अभी से जुट गयी है। इस चुनाव की पृष्ठभूमि को समझने के लिये पहले की कतिपय परिघटनाओं को याद कर लेना उपयोगी होगा ताकि इस बात का अंदाजा लगाया जा सके कि आगामी चुनावी अखाड़ा किस तरह का तैयार हो रहा है। याद हो कि भाजपा और जेडीयू का लम्बा साथ तो रहा है परन्तु इसी विधानसभा के कार्यकाल में नीतीश कुमार ने भाजपा का साथ छोड़कर आरजेडी से हाथ मिलाया व लगभग 18 माह सरकार चलाई थी। बाद में अचानक नीतीश ने फिर से पाला बदला और वापस भाजपा के साथ सरकार बना ली। मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हीं के पास रही। इस बीच उन्होंने इंडिया गठबन्धन बनाने में महत्वपूर्ण निभाई थी लेकिन उनके इस तरह पलटने से उनकी छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा था। फिर भी एनडीए के साथ 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ते हुए उन्होंने 12 सीटें जीतकर बताया कि उन्हें आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। केन्द्र की सरकार जिन दो दलों पर टिकी हुई है उनमें आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी (16 सदस्य) और जेडीयू ही हैं। स्वाभाविक है कि भाजपा जेडीयू को दिखावे के तौर पर तो महत्व देती रहेगी लेकिन पूरी कोशिश करेगी कि वह विधानसभा में उसे कमजोर कर खुद की ताकत बढ़ाये। अब देखना यह होगा कि इसके लिये वह कौन से पैंतरे आजमाती है।उधर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हाल ही में बिहार के दो दौरे कर चुके हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 22 फरवरी को आएंगे। प्रदेश के नये बने प्रभारी कृष्णा अल्लावरु 20 फरवरी को पहुंचेंगे और तीन दिनों तक वहां रहेंगे। माना जाता है कि यहां कांग्रेस सामाजिक न्याय के अपने मुद्दे को पुनर्जाग्रत करेगी क्योंकि बिहार इसी विमर्श की जमीन रही है। कभी नीतीश कुमार को पिछड़ी जातियों व दलितों का संरक्षक माना जाता था लेकिन भाजपा के साथ जाने तथा अनेक महत्वपूर्ण अवसरों व सम्बन्धित विषयों पर उनकी चुप्पी ने उनसे यह ताज छीन लिया है। अलबत्ता, लालूप्रसाद यादव की विरासत को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के कारण तेजस्वी की इस मामले में प्रतिष्ठा बनी हुई है। फिर, अपने कार्यकाल में लाखों नौकरियां देने के कारण युवाओं एवं लाभान्वित होने वाले वर्गों में वे लोकप्रिय बने हुए हैं। तेजस्वी कांग्रेस के साथ हैं। खरगे अपने प्रस्तावित दौरे में बक्सर जायेंगे जहां संगठन की ओर से जय बापू जय भीम जय संविधान के नाम से एक बड़ी सभा की जायेगी। ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस इसके जरिये दलित-ओबीसी वोट बैंक को अपनी ओर आकर्षित करेगी। साथ ही, संगठन को यहां नये सिरे से मजबूत करने की रूपरेखा भी बनेगी। माना जाता है कि कांग्रेस यहां कम से कम 70 सीटों पर दावा करेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में वह 9 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पूर्णिया से निर्दलीय लड़े पप्पू यादव के अलावा उसे 3 सीटें मिली हैं जबकि आरजेडी कुल 22 सीटों पर चुनाव लड़ी थी पर उसे 4 सीटें ही मिल सकी थीं। इस तरह देखें तो कांग्रेस का स्ट्राइक रेट उससे बेहतर है। इस कारण उसे लगता है कि अपनी जमीन को यहां मजबूत करना तथा अधिकतम सीटें हासिल करना जरूरी है ताकि वह आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बना सके। यहां इंडिया का एक और पार्टनर दल सीपीएम (एमएल) (एल) भी है जिसके पास लोकसभा की दो और राज्य विधानसभा में 11 सीटें हैं। वह भी इंडिया के साथ है। बिहार का चुनाव अनेक मायनों में बेहद अहमियत रखता है क्योंकि जिस तरीके से यहां नीतीश कुमार ने इंडिया को धोखा दिया, माना जाता है कि उनके कारण ही लोकसभा में येन केन प्रकारेण भाजपा अपनी सरकार बनाने तथा नरेन्द्र मोदी पीएम बनने में कामयाब हो सके। कई बार इस आशय की खबरें उठती रही हैं कि नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव के पहले फिर से खेमा बदल सकते हैं। हालांकि एक बड़ा वर्ग इन अनुमानों को सिरे से खारिज करता है क्योंकि उसका मानना है कि नीतीश बाबू इस तरह का फैसला कम से कम विधानसभा चुनाव तक तो लेने से रहे। बहरहाल, मुकाबला दिलचस्प रहेगा।

महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की खड़ी बस में तेज रफ्तार ट्रेलर ने मारी टक्कर, टला बड़ा हादसा

संवाददाता

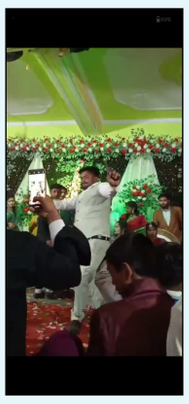

बिन्दकी/फतेहपुर। जनपद के औंग थाना क्षेत्र के शुक्लानगर मोड के समीप कानपुर-प्रयागराज मार्ग में महाकुंभ प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं की खड़ी बस में गिट्टी लदा तेज रफ्तार ट्रेलर ट्रक ने टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर से बस और ट्रेलर दोनों खंती में जाकर पलट गए।हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना पाते ही नजदीकी चौडगरा चौकी पुलिस सबसे पहले पहुंची। वही पुलिस को सूचना दी गई तो औंग थाना पुलिस भी पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। औंग थाना क्षेत्र के कानपुर-प्रयागराज मार्ग पर शुक्लानगर मोड़ के पास मंगलवार सुबह एक बड़ा दर्दनाक हादसा हुआ।आगे खड़ी बस में पीछे से गिट्टी लदा ट्रेलर ट्रक ने टक्कर मार दिया। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। हालांकि इस घटना में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। जिससे बड़ी घटना टल गई। बस राजस्थान प्रांत के चित्तौड़गढ़ जिले से प्रयागराज महाकुंभ जा रही थी जहां बस में कुल 35 लोग सवार थे। जो सुबह 7:00 बस किनारे लगाकर नाश्ता और चाय बना रहे थे। बस में सवार नेहा पाटीदार पुत्री लाल पाटीदार, राखी व अरविंद घटना के दौरान चाय पीने के बाद बस में बैठे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जिस समय ट्रेलर ट्रक ने टक्कर मारी उस समय सभी तेज धमाका जैसा आवाज हुई। तभी आसपास खड़े लोग बचाव के लिए दौड़े तो वही बस के बाहर खड़े लोग भी दौड़कर भागे। हालांकि इस घटना में बस चालक जीतमल पुत्र बेरूलाल निवासी चित्तौड़गढ़ राजस्थान थाना मंगलाना को चोट आई है। वही ट्रेलर ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना के दौरान बाहर बैठी चाय पी रही सानूबाई पाटीदार ने बताया सोमवार दोपहर 3:30 बजे राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के काउ गांव से एवं रिश्तेदार मध्य प्रदेश के निंबज से 35 लोग सवार होकर के चले थे।प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने जा रहे थे। आज सुबह शुक्ला नगर मोड़ के पास हादसा हुआ। घटना की जानकारी पाते ही चौडगरा चौकी इंचार्ज उपदेश कुमार उप निरीक्षक सुमित तिवारी औंग,थानाध्यक्ष हनुमान प्रताप सिंह तीन गाड़ी पीआरबी पुलिस, एनएचआई फील्ड ऑफिसर बाबूलाल यादव भी मौके पर पहुंचे। उप संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे साथ पुलिस व एआरटीओ की टीम जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

हाथ में तमंचा लेकर जयमाला स्टेज पर युवक ने लगाए ठुमके

सुमेरपुर,हमीरपुर। सुमेरपुर कस्बे में एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान जयमाला स्टेज पर एक युवक का हाथ में तमंचा लिए ठुमके लगाते वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। 13 सेकेंड के इस वायरल वीडियो के बाद हरकत में आई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि समाचार पत्र वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। सोशल मीडिया में वायरल हुआ वीडियो सुमेरपुर कस्बे के एक गेस्ट हाउस का बताया जा रहा है। जिसमें जयमाला स्टेज पर बैठे दूल्हा-दुल्हन के सामने एक युवक हाथ में तमंचा लेकर चढ़ जाता है और ठुमके लगाने के बाद स्टेज से छलांग लगाकर नीचे उतर आता है। इस वायरल वीडियो पर सोशल मीडिया में तमाम तरह के कमेंट्स भी आ रहे हैं। पुलिस ने मामला को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने सोशल मीडिया सेल के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि वायरल वीडियो का त्वरित संज्ञान लेकर थाना सुमेरपुर पुलिस द्वारा युवक की पहचान नितिन पुत्र शिवरतन (उम्र करीब 25 वर्ष) निवासी वार्ड नं0-06 चांद थोक कस्बा व थाना सुमेरपुर जनपद हमीरपुर के रूप में कर ली गई है। युवक को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है, बाद पूछताछ व जांच तथ्यों के आधार पर अग्रिम आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस 19 फरवरी को

संवाददाता

फतेहपुर 18 फरवरी । उप कृषि निदेशक, ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के प्रत्येक तृतीय बुधवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया जाता है। माह फरवरी-2025 का प्रकाशन दिवस: 19 फरवरी, 2025 को समय 12:00 बजे से 02:00 बजे अपराह्न तक विकास भवन सभागार में आयोजित कराया जायेगा। किसान दिवस में किसानों की समस्याओं के निदान हेतु बैठक में उपस्थित अधिकारियों / विशेषज्ञों द्वारा अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं, कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी तथा कृषकों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्वक समाधान किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने सैमसी झील का किया निरीक्षण, कमियाँ हुई उजागर

संवाददाता

कानपुर।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आज सैमसी झील का निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि 2 करोड़ रुपए की लागत से 2023 में जीर्णोद्धार की गई झील की स्थिति बेहद खराब है। निरीक्षण में कई गंभीर कमियां सामने आईं। पूरी झील जलकुंभी से ढकी हुई मिली। पानी का स्तर बहुत कम पाया गया। झील की बाउंड्री क्षतिग्रस्त हो चुकी है। बैठने के लिए लगाए गए पत्थर टूटे हुए हैं। गांव का गंदा पानी झील में जा रहा है। बिजली के खंभे गिरे हुए मिले। डीएम ने संबंधित एएमए को फटकार लगाते हुए पूछा कि झील की इस दुर्दशा के लिए जिम्मेदार लोगों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। एएमए ने बताया कि संबंधित लोगों को नोटिस भेजा गया है। इस पर डीएम ने कहा कि सिर्फ नोटिस भेजना काफी नहीं है, जमीनी स्तर पर काम होना चाहिए। उन्होंने 20 दिन में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम ने सैमसी झील के पास 80 लाख रुपए की लागत से बने सरोवर का भी निरीक्षण किया। यहां भी घाटों की स्थिति खराब मिली। सरोवर के किनारे की मिट्टी बह चुकी है। डीएम ने संबंधित अभियंता को शाम को कार्यालय में रिपोर्ट के साथ बुलाया है।

जवाहर कोल्ड स्टोरेज एण्ड बरफ फैक्ट्री के वार्षिक उद्घाटन समारोह में हुआ प्रसाद वितरण

संवाददाता

बिंदकी/ फतेहपुर। आज जवाहर कोल्ड स्टोरेज एण्ड बरफ फैक्ट्री चंद नगर कुकरपुर रोड बिंदकी का वार्षिक उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रसाद वितरण भी वृहद रूप से किया गया। यह जानकारी देते हुए फर्म के प्रोपाइटर जवाहर लाल गुप्त व डॉ. राजेश कुमार गुप्त (राजा भइया) ने बताया कि जवाहर कोल्ड स्टोरेज एण्ड बरफ फैक्ट्री का शरद ऋतु समाप्त होते बरफ फैक्ट्री शुरू करने के लिए वार्षिक उद्घाटन समारोह का आयोजन प्रति वर्ष किया जाता है जिसमें प्रसाद वितरण किया जाता है। इसी क्रम में आज वार्षिक उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति देकर प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर जवाहर लाल गुप्त, डॉ. राजेश कुमार गुप्त (राजा भइया) सहित सभी परिजन, इष्ट मित्र, गणमान्य लोग व व्यापारीगण मौजूद रहे।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में हुआ विपिन कुमार का चयन

संवाददाता

बिंदकी/ फतेहपुर। बिंदकी नई बस्ती निवासी विपिन कुमार का चयन भारतीय अनुसंधान संगठन (इसरो) में सहायक के रूप में चयन होने पर परिजनों व शुभ चिंतकों ने मुंह मीठा कराकर उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ शुभकामनाएं व बधाई दी। इसरो में चयन को लेकर जहाँ विपिन कुमार की कड़ी मेहनत को जाता है? वहीं माता पिता का आशीर्वाद व भाइयों का स्नेह और उत्साहवर्धन है। विपिन कुमार ने पिता बिंदकी तहसील से सेवानिवृत रजिस्ट्रार कानूनगो विशम्भर प्रसाद व बड़े भाई पेशकार धर्मेन्द्र कुमार, एडवोकेट पंकज कुमार, एडवोकेट अमित कुमार देव सहित सभी परिजनों को इस सफलता का श्रेय दिया है।

सड़क दुर्घटना में दो सगे भाइयों की मौत, दो गम्भीर रूप से घायल

संवाददाता

फतेहपुर। जिले के हथगाम थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क दुर्घटना में सगे भाइयों की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार अपराह्न को पलिया गांव के समीप हुई, जब दो तेज रफ्तार बाइकें आपस में टकरा गईं और रोड में पड़े घायल पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गए जिसमें 2 की मौत और दो गंभीर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया बताते है कि हादसे में 45 वर्षीय लोटन पासवान और इसके 40 वर्षीय छोटे भाई भरत पासवान की मौत हो गई। जब कि दूसरी बाइक में सवार सगे भाई गम्भीर घायल हो गए और दोनों भाई सिलमी गढ़वा, किशुनपुर के रहने वाले है। वहीं दूसरे बाइक सवार 17 वर्षीय विष्णु और 16 वर्षीय आरती को गंभीर हालत में जिला अस्पताल से एसएलआर हॉस्पिटल कानपुर रेफर किया गया है। थाना-पुलिस के अनुसार, यदि बाइक सवार सगे भाई हेलमेट पहने होते तो उनकी जान बच सकती थी। दिवंगत लोटन अपने बेटे राहुल की शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने जा रहा था। तभी यह हादसा हुआ। दिवंगत के परिजनों का कहना था कि आलू लदे ट्रक ने दोनों बाइकों को पीछे से टक्कर मारी है, जिससे दोनों की मौत हो गई वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्लेसमेंट शिविर व करियर काउन्सिलिंग कार्यशाला आज

संवाददाता

फतेहपुर। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय फतेहपुर द्वारा कल 19 फरवरी, 2025 को प्रातः 11:00 बजे अभिनव प्रज्ञा महाविद्यालय, हरदौरपुर, चौडगरा, फतेहपुर में प्लेसमेन्ट शिविर व करियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। प्लेसमेन्ट शिविर में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीयन करायें। शिविर में शिव एच.आर. सोल्यूशन्स द्वारा हाईस्कूल / इंटर/आई टी आई उर्तीण, 20 से 30 वर्ष के पुरूष, महिला अभ्यर्थियों का वेतनमान रू15000 प्रतिमाह, करियर ब्रिज स्किल सोल्यूशन्स द्वारा हाईस्कूल/इंटर/आई टी आई उर्तीण, 18 से 28 वर्ष के पुरूष, महिला अभ्यर्थियों का वेतनमान रू15000 प्रतिमाह, पीपुल मंत्रा द्वारा आई.टी.आई./ डिप्लोमा उर्तीण, आयु 18 से 24 वर्ष के पुरूष अभ्यर्थियो का रू. 14000 प्रतिमाह वेतन, शिवशक्ति एग्री टेक द्वारा इंटर उर्तीण, 20 से 30 वर्ष के पुरूष अभ्यर्थियों का वेतनमान रू.8500 व अन्य भत्ते प्रतिमाह एवं जी.डी. एक्स सिक्योरिटी कंपनी द्वारा सुरक्षा जवान हेतु हाईस्कूल उर्तीण 19 से 45 वर्ष के पुरूष जिनकी न्यूनतम लम्बाई 168 सेमी न्यूनतम वजन 55 किग्रा वेतन प्रति माह रू 15500 के लिये चयन सम्बन्धी कार्यवाही की जायेगी।

दहेज उत्पीड़न व आत्महत्या के लिए उकसाने वाले दो अभियुक्तों को चार-चार वर्ष का कारावास

हमीरपुर। थाना जरिया में धारा 498ए,304बी, 376,120बी,306 भारतीय दंड संहिता व 3/4 दहेज प्रति. अधिनियम में अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र स्व. मंगल सिंह,किल्लू उर्फ हरिश्चन्द्र पुत्र लल्लू व श्रीमती रावरानी पत्नी स्व.मंगल सिंह निवासीगण ग्राम पंवई थाना जरिया के विरुद्ध अभियोग 31 मार्च 2021 को पंजीकृत किया गया।जनपद के आपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियोग मे अभियोजन विभाग से समन्वय करके समयबद्ध रूप से साक्षियों का साक्ष्य कराकर प्रभावी पैरवी किये जाने के फलस्वरुप न्यायालय एफटीसी प्रथम/गैंगस्टर एक्ट कोर्ट द्वारा अभियुक्त सनील कुमार पुत्र स्व. मंगल सिंह उपरोक्त को धारा 498ए,306 भारतीय दंड संहिता में दोषसिद्ध करते हुए चार वर्ष के कारावास व 15 हजार रुपए के अर्थदण्ड से अभियुक्त किल्लू उर्फ हरिश्चन्द्र पुत्र लल्लू उपरोक्त को धारा-306 भारतीय दंड संहिता में दोषसिद्ध करते हुए चार वर्ष के कारावास व 10 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। तथा अभियुक्त श्रीमती रावरानी पत्नी स्व.मंगल सिंह उपरोक्त को दोषमुक्त किया

जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

संवाददाता

फतेहपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति(शासी निकाय) की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उन्होंने स्वास्थ्य से सम्बंधित संचालित योजनाओ व कार्यक्रमो की प्रगति की अद्यतन स्थिति को जाना और संबंधितो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन आख्या की पुष्टि की। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारियों से कहा कि अपने दायित्वों का निर्वाहन पूरी संवेदनशीलता के साथ करते हुए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराए । मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में 17 ए-पीएचसी प्रसव के लिए क्रियाशील नहीं है में तत्काल प्रसव के लिए सभी व्यवस्थाएं कराते हुए क्रियाशील कराए साथ ही रिपोर्ट से भी अवगत कराए। उन्होंने कहा कि आभा आईडी बनाए जाने के कार्य में तेजी लाई जाय। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कराते हुए सभी जांचे व अनुमन्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराये साथ ही गर्भवती महिलाओ व बच्चों का टीकाकरण समय से कराते हुए पोर्टल पर फीड कराये एवं हाईरिस्क गर्भवती महिलाओ की नियमित जाँच कराए और सभी अनुमन्य स्वास्थ्य सुविधाएं संवेदनशीलता के साथ मुहैया कराये, का विशेष ध्यान रखें। गर्भवती महिलाओं को हाईरिस्क के बारे में जरूरी जानकारी देते हुए जागरूक किया जाय। उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थीपरक योजनाओ से लाभार्थियों को लाभांवित करने के लिए समय से शत प्रतिशत भुगतान किया जाय । उन्होंने कहा स्वस्थ केन्द्रों में भर्ती प्रसूताओं/मरीजों को मीनू के अनुसार गुणवत्तायुक्त भोजन, नाश्ता दिया जाय साथ ही इसकी निगरानी बनाए रखे एवं बनाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी अवश्य चेक करे। ई-संजीवनी के तहत आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में आने वाले मरीजों को आवश्यकतानुसार टेली कंसल्टेंट कराए जाने के लिए चिकित्सकों की रोस्टर वाइज ड्यूटी लगाकर कार्य किया जाय। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारियों से कहा कि केन्द्र में जन्मे बच्चों के सापेक्ष शत प्रतिशत जन्म प्रमाण पत्र बनवाया जाय। बी०एच०एस०एन०डी० दिवस में सभी अनुमन्य जांचे/स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाय। उन्होंने कहा कि आशा एवं अंगनबाडी कार्यकत्रियो के मध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और आवश्यकतानुसार नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र मे जांचे व दवाएं दिलाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शपवन कुमार मीना, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० राजीव नयन गिरी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० इस्तियाक अहमद, सीएमएस पी०के० सिंह, डीपीएम श्री लालचंद्र गौतम, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री साहब सिंह यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित समस्त एमओवाईसी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीडिओ व वैन लीर फाउंडेशन की टीम ने किया फतेहपुर के हाई टच आँगनबाड़ी केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण

संवाददाता

फतेहपुर। मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना (आई 0 ए 0 एस 0) के साथ वैन लीर फाउंडेशन की मुख्य कार्यक्रम अधिकारी रुश्दा मजीद, भारत प्रमुख एवं मुख्य सलाहकार प्रकाश कुमार पाल , विक्रमशिला एज्युकेशन रिसोर्स सोसाइटी की निदेशक शुभ्रा चैटर्जी , जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग साहब यादव , खण्ड विकास अधिकारी राहुल मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से चयनित हाई टच आँगनबाड़ी केंद्र (लाइट हाउस) में निर्माणधीन लाइट हाउस का भ्रमण एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से किये जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया गया। इस भ्रमण कार्यक्रम में सर्वप्रथम कार्यालय ग्राम पंचायत बिलंदपुर में ग्राम प्रधान रेखा देवी एवं ग्राम विकास अधिकारी अतुल श्रीवास्तव द्वारा आयोजित सामुदायिक बैठक में वैन लीर फाउंडेशन की मुख्य कार्यक्रम अधिकारी रुश्दा मजीद,भारत प्रमुख प्रकाश कुमार पाल , विक्रमशिला संस्था की निदेशक शुभ्रा चैटर्जी द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों एवं बच्चों के देखभालकर्ताओं के साथ ग्राम में बच्चों के लिए किये जा रहे विकास कार्यों पर चर्चा की गई । .बैठक में उपस्थित सामजसेवी सुरेश गौतम द्वारा पंचायत के द्वारा लाइट हाउस आँगनबाड़ी केंद्र बिलंदपुर में बच्चों के लिए निर्माणाधीन बाल संवेदी खेल मैदान बनाये जाने हेतु ग्राम प्रधान के प्रयासों की प्रशंसा की गई साथ की बताया गया की पिछले दो वर्षो से भी अधिक समय से ग्राम में अनेकों बाल हतैषी नवाचार किये जा रहे हैं। बैठक के बाद मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना के नेतृत्व में समस्त विभागीय अधकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा चयनित हाई टच आँगनबाडी केंद्र जो की परिषदीय कम्पोज़िट विद्यालय बिलंदपुर में स्थित है, का अवलोकन किया गया । जिला कार्यक्रम समन्वयक अनुभव गर्ग , स्वास्थ्य एवं पोषण विषय विशेषज्ञ सोनल रूबी राय द्वारा बताया गया की इस हाई टच आँगनबाड़ी केंद्र को बाल संवेदनशील स्थान (लाइट हाउस) मॉडल के रूप में परिवर्तित कर अनेकों नवाचार किये जा रहे है, इस आँगनवाड़ी केंद्र के अंदर बच्चों के सीखने के अवसरों को बढ़ाने के लिए विभिन्न लर्निंग कार्नर का निर्माण, लो हाइट ब्लैकबोर्ड , फ्लोर पेंटिंग ,सॉफ्ट बोर्ड, एवं आँगनबाड़ी केंद्र के अंदर व बाहर अनेकों शिक्षाप्रद चित्रकारी निर्मित की गई हैं । भ्रमण के दौरान परिषदीय कम्पोज़िट विद्यालय बिलंदपुर की प्रधान अध्यापिका ममता देवी के द्वारा समस्त अधिकारीयों को कम्प्यूटर लैब के साथ नवनिर्मित शौचालय , एवं विद्यालय में पंचायत के सहयोग से हुए निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। तकनीकी संस्था वैन लीर फाउंडेशन एवं विक्रमशिला संस्था के वरिष्ठ अधिकारीयों द्वारा बाल विकास परियोजना अधिकारी अरविन्द कुमार के नेतृत्व में विकास खण्ड हसवा में निर्मित हाई टच आँगनबाड़ी केंद्र व लर्निंग लैब पासी का पुरवा , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसवा आदि का भी निरिक्षण किया गया। दूसरे दिन के इस भ्रमण कार्यक्रम में हसवा के ग्राम प्रधान मोहम्मद राशिद राइन ,प्रभारी चिकित्साधिकारी अनुपम सिंह , मुख्य सेविका विमला शर्मा , अनीता कुमारी , फूलकली , नीरा भाष्कर आदि द्वारा जीवन के प्रथम 1000 दिवस परियोजना के क्रियान्वयन की जानकारी दी गई।

दूल्हा ले पहुँचा हेलीकॉप्टर नव नवेली दुल्हन की विदाई के लिए ससुर ने हेलीकाप्टर से विदा करा किया बहू व अपना सपना पूरा

हमीरपुर ।जनपद की एक शादी में बहू की हेलीकाप्टर से विदाई चर्चा का विषय बनी हुई है।बाबा ससुर,व ससुर ने बहू की इच्छा पूर्ण कर ससुराली जन का होने का फर्ज अदा किया। जहाँ एक तरफ दहेज के खातिर ससुराली जन बहू बेटियों की हत्या करते है तो वही एक शिक्षक परिवार ने बहू की हेलीकाप्टर से विदाई की इच्छा पूर्ण कर औऱ बहू औऱ बेटी में कोई अंतर नही होता कि मिशाल कायम की है। मामला पड़ोसी जनपद महोबा के महोबकंठ थाना क्षेत्र के ग्राम कंकुआ का है जहाँ के निवासी हरदयाल विद्यालय के संस्थापक हरदयाल राजपूत के नाती व रमाकान्त राजपूत के पुत्र बेदान्त की शादी जनपद हमीरपुर के थाना मुस्करा के ग्राम पहाडी भिटारी निवासी स्व अर्जुन सिंह की नातिन व चंदू राजपूत की पुत्री हिमानी राजपूत के साथ तय हुई थी।यह शादी 17 फरबरी 2025 को जनपद के मुस्करा स्थित एक गेस्टहाउस में हुई।वर पक्ष ने शादी को यादगार बनाने के लिए हाथी कोई कोर कसर नही छोड़ी ।शादी में हाथी ,4 दर्जन से अधिक घोड़े ,बेंड,बहरूपिया पार्टी,देशी रब्बी ,भांगड़ा,आदि पुराने साज बाज के साथ शादी सम्पन्न हुई।मजे की बात तो तब हुई जब दूल्हा हेलीकाप्टर ले दुल्हन की विदा कराने पहुँचा जिसे देख आसपास के लोगो की भीड़ एकत्रित हो गयी।कुछ देर बाद दुल्हन की विदाई हेलीकाप्टर से हुई।इस हेलीकाप्टर की विदाई कार्यक्रम को देखने के लिए लोगो की भीड़ एकत्रित हो गयी।दूल्हे के पिता रमाकांत राजपूत ने बताया कि हमारे औऱ बहू की इच्छा थी कि विदाई हेलीकाप्टर से जिस कारण बहू के सपनो व हमारी इच्छाओं को लेकर विदाई हेलीकाप्टर से कराई गई।उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा कि हमारे समाज को बहू बेटी की तरह मानना चाहिए।समाज को बेटे की हुई शादी में बहु समझ कर विदाई नही वल्कि बेटी तथा घर की लक्ष्मी समझ कर ले जाना चाहिए तथा बहू की हर इच्छा पूर्ण करना चाहिए।

निर्मल मन से याद करने वालों को शीघ्र प्राप्त होते हैं भगवानः आचार्य महेश देव पाण्डेय

संवाददाता

फतेहपुर ।मलवा विकासखंड के अभयपुर ग्राम सभा अंतर्गत रानीपुर गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस पर भागवत भूषण आचार्य महेश देव पांडेय ने कहा कि निर्मल मन वाले व्यक्ति ही ईश्वर को पाते हैं ईश्वर को नहीं भाता है जो प्रभु अजन्मा होते हुए भी निर्गुण निराकार होते हुए भी अपने भक्तों के लिए इस पावन भूमि पर जन्म लेते हैं और सगुण साकार रूप में आते हैं तथा अपनों भक्तों के मनोरथ को पूर्ण करते हैं। और इस धरा पर अपनी लीलाएं करते हैं। सो केवल भक्तन हित लागी। परम कृपाल प्रनत अनुरागी।। उन्होंने कहा कि जब आए संतोष धन सब धन धूरि समान भागवत आचार्य जी ने कहा कि भागवत पुराण की श्रवण से मनुष्य को संसार सागर के भव बंधन से मुक्त करने वाली है। उन्होंने कहा कि जी परमात्मा की माया ने ब्रह्मादिक देवताओं को भी मोह में डाल दिया था जो प्रभु बड़े-बड़े महात्माओं देवी देवताओं के ध्यान में भी जल्द नहीं आते हैं ऐसे परम करुणामय भक्तवत्सल भगवान भक्ति के बस में होकर उसे सुलभ ही प्राप्त हो जाते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से परीक्षित शिवराज सिंह पत्नी किरण देवी, आशीष, अवनीश, ऋषि, राहुल सिंह, मुन्ना सिंह, सिकंदर निषाद, राकेश सिंह, बच्चा सिंह ,छोटू सिंह ,रामकरण सिंह, मुन्ना यादव , शिव बहादुर सिंह, रामकेवल सिंह ,ननकऊ सिंह सहित सैकड़ो की संख्या में माताओं बहनों ने संगीतमयी ,आनंदमई,अमृत रसमई,कथा का रसपान किया।

पब्लिक सेवा संस्थान के द्वारा फरवरी माह के प्रत्येक मंगलवार हलवे भोग प्रसाद का आयोजन किया गया

अयोध्या। पब्लिक सेवा संस्थान के द्वारा फरवरी माह के प्रत्येक मंगलवार के पावन अवसर पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे गुरुदेव पैलेस के प्रबंधक त्रिभुवन दत्त सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में बी एन एकेडमी स्कूल के प्रबंधक राकेश श्रीवास्तव ,दीपक श्रीवास्तव, ऑडिटर दिनेश चंद्र श्रीवास्तव संस्थान के जिला अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव और उपाध्यक्ष प्रतिभा यादव ने आए हुए सभी अतिथियों का अंग वस्त्र देकर सम्मान किया अतिथियों ने भक्तों को प्रसाद देकर भंडारे का शुभारंभ किया जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर प्रसाद को ग्रहण करते हुए अपने जीवन को भी कृतार्थ किया यह आयोजन रायबरेली रोड स्थित भगवान शिव दुर्गा हनुमान मंदिर के समीप इस भंडारे का आयोजन भव्य रूप से किया गया। जिसमें भक्तगण बढ़-चढ़कर सम्मिलित हुए, पब्लिक सेवा संस्थान के जिला अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव ने इसका आयोजन भव्य एवं दिव्य रूप से किया। जिसमें मुख्य रूप से भक्तगण भारी संख्या में सम्मिलित हुए। इस भंडारे का आयोजन नए वर्ष से किया जा रहा है।पब्लिक सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष प्रतिभा यादव ने कहा कि हमारा संस्थान भंडारे के साथ-साथ गरीब एवं असहाय व्यक्तियों के लिए निरंतर हमारी संस्थान उनके लिए कुछ ना कुछ करती रही है और आगे भी करती रहेगी कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष तथास्तु सिंह,रूस्करोड लाइंस के प्रबंधक पप्पू यादव, राकेश पांडे, राहुल पांडे, मंदिर के महंत रत्नेश्वर शुक्ला, गोलू मिष्ठान भंडार के प्रबंधक अनमोल यादव, संदीप गुप्ता, इंद्रजीत साहू, इंद्रेश मिश्रा, मुन्ना दुबे प्रॉपर्टी डीलर राकेश पांडे दीपू तिवारी सचिव रवि सिंह स्वदेश कन्या विवाह अनुदान समिति के कोषाध्यक्ष अरुण कुमार यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा आज फतेहपुरवा मोड़ से भदासा गांव तक निर्माणाधीन सड़क मार्ग का औचक निरीक्षण किया

कानपुर नगर में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा आज फतेहपुरवा मोड़ से भदासा गांव तक निर्माणाधीन सड़क मार्ग का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि सड़क पर लगने वाले ईंट व अन्य सामग्री की गुणवत्ता बहुत ही खराब है, इस पर जिलाधिकारी ने तुरंत काम रूकवाते हुए संबंधित अधिशासी अभियंता PWD की जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक कार्यवाई करने के निर्देश दिए द्य इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा पंचायत भवन सरसौल व उसमें संचालित निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का निरीक्षण किया गयाद्य पंचायत भवन के निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां उपस्थित संबंधित लोगों से पूछा कि उनके परिजनों की मृत्यु होने के उपरांत वरासत व खतौनी में नाम दर्ज है या नहीं द्य इस पर उन्हें बताया गया कि कुछ लोगों के नाम वरासत में नहीं दर्ज है द्यइस पर जिलाधिकारी ने संबंधित उपजिलाधिकारी व तहसीलदार को निर्देशित करते हुए कहा कि पिछले एक साल में कितनी मृत्यु हुई, कितने का नाम वरासत व खतौनी में दर्ज है इत्यादि की उसकी पूरी लिस्ट आज ही बनाकर मुझे प्रेषित करें और जिनका नाम नहीं दर्ज है उनका नाम भी आज ही दर्ज कराया जाएद्य पंचायत भवन, सरसौल के निरीक्षण के दौरान कुछ लोगों ने जिलाधिकारी से उनके क्षेत्र में साफ - सफाई न किए जाने की भी शिकायत कीद्य इस पर जिलाधिकारी ने वहां उपस्थित जिला पंचायती राज अधिकारी को समस्या के निराकरण के निर्देशद्य जिलाधिकारी महोदय द्वारा किए गए उक्त समस्त निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन व अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें द्य

पुलिस अधीक्षक को 15 दिन में जवाब दाखिल करने का नोटिस

● शालिनी सिंह पटेल ने फर्जी मुकदमे को लेकर पिछड़ा वर्ग आयोग में की थी शिकायत

बांदा। जेडीयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल द्वारा अपने खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज किए जाने की शिकायत पर पिछड़ा वर्ग आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग ने बांदा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को नोटिस जारी कर 15 दिन के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। क्या है मामला? पिछले दिनों, शालिनी सिंह पटेल ने आरोप लगाया था कि उनके खिलाफ एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत फर्जी मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्होंने इस संबंध में उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें निष्पक्ष जांच की मांग की गई थी। आयोग ने उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए बांदा पुलिस अधीक्षक से इस पूरे मामले में जवाब मांगा है। किन्नर गैंग के खिलाफ की थी कार्यवाही की मांग गौरतलब है कि शालिनी सिंह पटेल ने हाल ही में बांदा में सक्रिय एक किन्नर गैंग के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने प्रशासन से मांग की थी कि इस गैंग की अवैध गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए। उनका कहना था कि यह गैंग न सिर्फ अवैध वसूली में संलिप्त है, बल्कि आम जनता को डराने-धमकाने का काम भी कर रहा है। आयोग की सख्ती से बढ़ी हलचल पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से नोटिस जारी होने के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। अब पुलिस को 15 दिनों के भीतर आयोग के समक्ष रिपोर्ट पेश करनी होगी। शालिनी सिंह पटेल ने आयोग की इस कार्रवाई का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि उन्हें न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि वे सत्य के मार्ग पर हैं और किसी भी साजिश से डरने वाली नहीं हैं। इस पूरे मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल, सभी की निगाहें पुलिस के जवाब पर टिकी हैं।

जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकार संगठन की मासिक बैठक संपन्न

जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकार संगठन की मासिक बैठक कानपुर नगर जे के सेकंड सक्रिय पत्रकार राधा भाटिया जी के निज निवास में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार द जर्नलिस्ट एसोसिएशन कानपुर नगर उपाध्यक्ष राजू यादव जी के द्वारा की गई। मीटिंग में विशिष्ट अतिथि के रूप में द जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश पांडेय जी की रही।मीटिंग में उपस्थिति सम्मानित जनों में हनुमान मंदिर ट्रस्ट के प्रवक्ता अजय द्विवेदी जी श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक देवराज जोशी जी कानपुर नगर उपाध्यक्ष दीपेंद्र शुक्ला जी आदि कई सम्मानित पत्रकारों की उपस्थिति रही।द जर्नलिस्ट एसोसिएशन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश पांडेय जी ने द जर्नलिस्ट एसोसिएशन परिवार के सभी सम्मानित पत्रकारों को संस्था के मुख्य मुख्य बिंदुओं की अहम जानकारियां दी।

और द जर्नलिस्ट एसोसिएशन परिवार के सभी सम्मानित पत्रकारों से आग्रह किया अगली मीटिंग में अपने द जर्नलिस्ट एसोसिएशन परिवार में संख्या अधिक होनी चाहिए।द जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकार संगठन कानपुर नगर उपाध्यक्ष राजू यादव जी व कानपुर सदर तहसील विजय पांडेय जी कानपुर सदर सचिव राधा भाटिया जी को संस्था का आई कार्ड पहनाकर द जर्नलिस्ट एसोसिएशन परिवार में स्वागत किया।

सड़क सुरक्षा सप्ताह को लेकर परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश जारी किए निर्देश

सड़क सुरक्षा के संबंध में परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा दो पहिया चालकों के लिए हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट की अनिवार्यता को जन-जन तक पहुंचाने हेतु सभी विकल्पों पर विचार एवं प्रयास करने की कार्य योजना बना कर कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस क्रम में सर्वप्रथम नो हेलमेट नो फ्यूल का आदेश प्रदेश के सभी जिलाधिकारी महोदय के स्तर से निर्गत कराया गया।इसके उपरांत समस्त सरकारी एवं अर्ध सरकारी कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए कार्यालय में हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाए लगाए जाने की अनिवार्यता संबंधी आदेश निर्गत कराए गए । इसी क्रम में परिवहन आयुक्त महोदय द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के माननीय कुलपति महोदय को विश्वविद्यालय परिसर में दो पहिया चालकों को हेलमेट एवं चार पहिया चालकों को सीट बेल्ट लगाने की अनिवार्यता संबंधी व्यक्तिगत पत्र प्रेषित किया गया। जिसके क्रम में आज दिनांक 18 फरवरी 2025 को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या के कुलपति महोदय से मुलाकात कर विश्वविद्यालय परिसर में दो पहिया चालकों के लिए हेलमेट एवं चार पहिया चालकों के लिए सीट बेल्ट की अनिवार्यता संबंधी आदेश जारी कराए गए। कुलपति महोदय ने परिवहन आयुक्त महोदय के इस पहल की सराहना करते हुए सड़क सुरक्षा से संबंधित इस विषय को काफी महत्वपूर्ण बताया। उक्त अवसर पर संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विश्वजीत सिंह एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश प्रताप सिंह उपस्थित थे।

आगामी वार्षिक चुनाव बार एसोसिएशन 2025 में अधिवक्ताओं के हित में महामंत्री पद के लिए मैदान में उतरे गुलाब सिंह ने किया नामांकन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। बार एसोसिएशन के उन्नाव के आगामी वार्षिक चुनाव में महामंत्री पद के प्रत्याशी गुलाब सिंह ने नामांकन करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वर्तमान समय में बार एसोसिएशन में राजनीति के साथ-साथ कूटनिति और परस्तर कलुषित मानसिकता व विरोध चरम पर है जिससे पारस्परिक वातावरण विषाक्त है उन्नाव बार एसोसिएशन की अत्यन्त सूझ बूझ के साथ-साथ सामाजिक समरस्ता बनाये रखने वाले महामंत्री की आवश्यकता है वही महामंत्री पद प्रत्याशी गुलाब सिंह द्वारा यह भी बताया गया कि जिस तरह हमारे अधिवक्ता भाइयों को दिन प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है एवं जिस सम्मान के वह हकदार है उन्हें वह सम्मान प्राप्त नहीं होता और उनकी समस्याओं को लेकर अभी तक कोई किसी भी तरह की आवाज नहीं उठाई गई उन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अगर हमारे अधिवक्ता भाइयों के समर्थन से मैं महामंत्री चुना जाता हूं तो हमारी पहली प्राथमिकता यह होगी कि हम अपने अधिवक्ता भाइयों को मूल रूप से उनका सम्मान जिसके वह निरंतर हकदार है वह उन्हें मिले और समय-समय पर उनकी समस्याओं को लेकर उच्च स्तर पर वार्ता की जा सके।

राज्यपाल के अभिभाषण पर मायावती ने दी प्रतिक्रिया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्य मंत्री एवं बीएसपी प्रमुख मायावती ने राज्यपाल के अभिभाषण पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की 7 मायावती ने एक्स पर लिखा - राज्यपाल महोदया के अभिभाषण से मंगलवार से शुरू हुआ उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र जनहित व जनकल्याण के ज्वलन्त मुद्दों को लेकर सत्ता व विपक्ष की तकरार तथा 'गवर्नर गो बैक' की नारेबाजी आदि के कारण हंगामेदार रहा, किन्तु शोषित-पीड़ित जनता को इससे कितनी राहत मिलेगी, यह सोचने वाली बात। मायावती ने आगे लिखा - प्रयागराज के महाकुंभ को लेकर सत्ता-विपक्ष के अलग-अलग तर्क हैं, जबकि व्यापक जनहित व जनकल्याण के लिए सभी का विश्वास जरूरी, ताकि सरकारी धन-संसाधन का सही उपयोग हो सके। वैसे भी महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन आदि यूपी की जबरदस्त समस्या है, जिसको लेकर बजट आवंटन व गंभीरता जरूरी।

नवीन समाज कल्याण छात्रावास स्वीकृत करने व सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू करवाने की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

फलोदी। जीवन सार्थक संस्थान की राष्ट्रीय सचिव व यूनिवर्सल ह्यूमन राइड काउंसिल भारत की जिला अध्यक्ष नीरू परिहार ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत को पत्र लिख उप तहसील शेखासर में डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय छात्रावास स्वीकृत करने की मांग को लेकर पत्र लिखा है। नीरू परिहार ने बताया कि ग्राम पंचायत शेखासर को उप तहसील बने हुए करीब एक दशक से अधिक का समय गया हैं परंतु यहां अभी तक समाज कल्याण छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई है जिससे यहां के विद्यार्थियों को बाप व फलोदी के छात्रावास में प्रवेश लेना पड़ता है जो कि उप तहसील में आने वाले समस्त गांवों से 70 से 80 किलोमीटर की दूरी पर पड़ते हैं अगर उनमें भी छात्रों का प्रवेश नहीं हो पाता है तो उन्हें शहर में घर किराए पर लेकर पढ़ना पड़ता है जिसके कारण अधिकतर विद्यार्थियों की पढ़ाई आर्थिक तंगी के कारण बीच में छूट जाती है या छोड़ने पर मजबूर हो जाते हैं। उप तहसील शेखासर में अधिकांश परिवार अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं जो मजदूरी व खेती-बाड़ी पर ही निर्भर है। साथ ही परिहार ने मुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक पब्बाराम बिश्नोई को पत्र लिख बावड़ी कला से शेखासर, अखाधना, रानेरी होते हुए ग्राम पंचायत बारु तक सड़क कार्य जल्द शुरुआत मांग की है। परिहार ने बताया कि आए दिन ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों एवं व्यापारियों को कच्चे और जर्जर रास्तों से गुजरना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। साथ ही किसान अपनी उपज को बाजार तक ले जाने में असमर्थ होते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

क्रिकेट टूर्नामेंट में नगर पालिका सभासद इलेवन्स ने बाजी मारी

फतेहपुर में स्व0 वीर बहादुर वर्मा (पटेल) एवं स्व0 श्रीमति लीला तिवारी पूर्व सभासद सिविल लाइन की पुण्य स्मृति पर आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में एक रोमांचक मैच खेला गया। इस मैच में नगर पालिका सभासद इलेवन्स ने आशीष की 22 गेंद में 47 की पारी के साथ 124 रन बनाकर भाजपा इलेवन्स को 13 रन से शिकस्त दी। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार आशीष को दिया गया, जिन्होंने अपनी शानदार पारी से टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भाजपा इलेवन्स की तरफ से रजत ने 27 गेंद में 47 रन बनाए। इस मैच के दौरान कई अन्य खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिनमें मुखलाल पाल, विनय तिवारी, अतीश पासवान, शादाब अहमद, संजय श्रीवास्तव, रितिक पाल, विक्रम चंदेल, अभिषेक शुक्ला, पवन द्विवेदी पुष्पराज पटेल, संजय पाण्डेय, सैंकी नागर, संतोष पटेल, विपिन तिवारी, सूर्यप्रकाश मिश्रा, सूरज सिंह शामिल थे। मैच के अंत में रिकू लोहारी जिला पंचायत सदस्य और अमित त्रिवेदी अध्यक्ष ट्रक एसोसियेशन द्वारा विजेता टीम को पुरस्कार दिया गया। अंपायर की भूमिका में आशुतोष पाल एवं उत्कर्ष श्रीवास्तव रहे, जबकि कमेंट्री पुष्पराज पटेल द्वारा की गई। इस अवसर पर आयोजकों ने स्व0 वीर बहादुर वर्मा (पटेल) एवं स्व0 श्रीमति लीला तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी पुण्य स्मृति को याद किया।

डायरिया से डरना नहीं समाधानों द्वारा डायरिया के मामलों को दूर भगाना है

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ओआरएसएल बनाने वाली कंपनी केनव्यू ने पॉपुलेशन सर्विसेज़ इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के साथ मिलकर एक नई जनस्वास्थ्य पहल डायरिया से डर नहीं की शुरुआत की है। अगले दो से अधिक वर्षों में लगभग 5 मिलियन बच्चो तक पहुंचने के लक्ष्य के साथ, यह पहल उत्तर प्रदेश के 7 जिलों और बिहार के 3 जिलों में दस्त से होने वाली मृत्यु दर को कम करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार पर केंद्रित होगी। यह पहल सरकार के स्टॉप डायरिया अभियान के प्रयासों को पूरक करेगी, जिसका लक्ष्य भारत में दस्त के कारण शून्य शिशु मृत्यु दर प्राप्त करना है। डायरिया से डर नहीं% अभियान के तहत, ओआरएसएल के निर्माता केनव्यू और पीएसआई इंडिया राज्य सरकार के अधिकारियों ओर स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर एक एकीकृत दस्त प्रबंधन कार्यक्रम लागू करेंगे। यह कार्यक्रम रोकथाम और उपचार के दोनों पहलुओं पर केंद्रित होगा, जिसमें विशेष रूप से ० से 5 वर्ष के बच्चों पर ध्यान दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों होंगे जिसमें कि पहला उद्देश्य बिन्दु में समुदाय में जागरुकता बढ़ाना और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करना ताकि दस्त प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सके। दूसरा उद्देश्य बिन्दु में आशा कार्यकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं और देख भालकर्ताओं की क्षमता निर्माण में सहायता करना, जो इस स्थिति के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके तीसरे उद्देश्य बिन्दु में बच्चों में ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस) और जिंक के वितरण के साथ-साथ समग्र हाइड्रेशन समाधानों द्वारा डायरिया के मामलों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करना और मामलों के उच्च कवरेज और प्रबंधन को बढ़ावा देना। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के बदायूं, मथुरा, उन्नाव, मुरादाबाद, गोंडा, श्रावस्ती, और फिरोजाबाद जिलों में लागू किया जाएगा। इस पहल के बारे में बात करते हुए, प्रशांत शिंदे, बिजनेस यूनिट हेड - सेल्फ केयर, केनव्यू ने कहा पिछले 2० वर्षों से, ओआरएसएल, हमारा प्रतिष्ठित इलेक्ट्रोलाइट ब्रांड, फ्लूइड, इलेक्ट्रोलाइट और एनर्जी पर वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है, जिससे उन्नत हाइड्रेशन फॉर्मूलेशन विकसित हुए हैं। हाल ही में लॉन्च किए गए रेडी टू ड्रिंक ओआरएस - डब्लूएचओ अप्रूव्ड फॉर्मूला के साथ, हमने अपने हाइड्रेशन पोर्टफोलियो का विस्तार किया है, जो दस्त से तेज़ी से रिकवरी में सहायता करने वाला एक प्रभावी समाधान प्रदान करता है। दस्त से निपटने के प्रयासों पर टिप्पणी करते हुए, हितेश साहनी, डायरेक्टर, प्रोग्राम्स, पीएसआई इंडिया ने कहा, बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं, और उनका स्वास्थ्य सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत सरकार का राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), राज्य सरकारों के साथ मिलकर दस्त की रोकथाम और प्रबंधन में लगातार प्रयासरत है। केनव्यू के सहयोग से, पीएसआई इंडिया सरकार की %स्टॉप डायरिया एंव दस्तक अभियान जैसी पहलों को और मजबूती देने का प्रयास करेगा, साथ ही स्वच्छता, संतुलित पोषण, दस्त की शीघ्र पहचान और प्रभावी दस्त प्रबंधन के लिए ओआरएस एवं जिंक के सही उपयोग को बढ़ावा देगा। यह पहल उत्तर प्रदेश के सात और बिहार के तीन जिलों में संचालित की जाएगी।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2025 की तैयारी शुरू, उन्नाव में डीएम-एसपी ने की समीक्षा बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

उन्नाव। यूपी बोर्ड परीक्षा 2025 को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। डीएम गौरांग राठी और पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और नकल रोकने के उपायों पर चर्चा की गई। बता दे कि जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। सीसीटीवी कैमरे, वॉयस रिकॉर्डिंग सिस्टम और स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। संदिग्ध व्यक्तियों और अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। एडीएम सुशील कुमार गोंड ने कहा कि परीक्षार्थियों के लिए पानी, शौचालय और बैठने की उचित व्यवस्था की जाएगी। बीएसए संगीता सिंह ने बताया कि केंद्र व्यवस्थापकों को पारदर्शी परीक्षा कराने के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील और अति संवेदनशील केंद्रों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी होगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू रहेगी। इससे बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी। बैठक में जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट को यह निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से परीक्षा केंद्रों का दौरा करें और परीक्षा प्रक्रिया पर नजर बनाए रखें। इसके अलावा, फ्लाइंग स्क्वॉड टीमों को सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। बैठक के अंत में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि परीक्षा को निष्पक्ष और नकलमुक्त बनाने के लिए अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के सभी वर्गों को सहयोग करना होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों को पूरी ईमानदारी और सतर्कता के साथ निभाने की अपील की।

निदेशक वित्त को अवैधानिक सेवा विस्तार देना निजीकरण की साजिश-विद्युत संचारी संयुक्त संघर्ष समिति

संवाददाता

फतेहपुर।विद्युत संचारी संयुक्त संघर्ष समिति, फतेहपुर ने निदेशक वित्त को दिए गए सेवा विस्तार को तत्काल निरस्त करने की मांग करते हुए कहा है कि निदेशक वित्त को दिया गया सेवा विस्तार निजीकरण की साजिश का हिस्सा लगता है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों इं जितेंद्र कुमार, सूरज राघव, जितेंद्र मौर्य, धीरेंद्र सिंह, आदित्य त्रिपाठी, जागेश्वर पाल, दीपक यादव, अभिषेक तिवारी, पंकज मौर्य, सूर्य प्रकाश मिश्र, सुनील कुमार ने कहा कि निदेशक वित्त को दिए गए सेवा विस्तार के आदेश में लिखा गया है कि 1 वर्ष पूर्व उन्हें इस शर्त पर सेवा विस्तार दिया गया था कि अगले निदेशक वित्त का चयन होने अथवा एक वर्ष जो भी अवधि कम हो तब तक उनको सेवा विस्तार दिया जा रहा है। 1 वर्ष का समय बीत गया। पता नहीं किन अज्ञात कारणों से नए निदेशक वित्त का चयन नहीं किया गया। अब जारी किए गए नए सेवा विस्तार के आदेश में लिखा गया है कि निदेशक वित्त का चयन होने अथवा 3 महीने तक, जो पहले हो उन्हें सेवा विस्तार दिया जा रहा है। संघर्ष समिति ने कहा कि अगर 3 महीने में भी नए निदेशक वित्त का चयन न हुआ तो फिर इसी प्रकार का आदेश आगे जारी किया जाएगा। संघर्ष समिति ने कुछ दिन पूर्व यह आशंका व्यक्ति की थी कि निदेशक वित्त को पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण हेतु सेवा विस्तार अवैधानिक ढंग से दिया जा रहा है। यह चर्चा है कि निदेशक व्यक्ति के उन निजी कंपनियों के साथ कोई संबंध है जो पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में बिडिंग करने की इच्छुक हैं। संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निवेदन किया है की निदेशक वित्त को इस प्रकार अवैधानिक ढंग से दिया गया सेवा विस्तार तत्काल निरस्त करने की कृपा करें। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति एवं पारदर्शिता की नीति की सरकार में निदेशक वित्त को इस तरह दिया गया सेवा विस्तार कई शंकाओं को जन्म देता है।

राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

संवाददाता

फतेहपुर। राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट महात्मा गांधी सभागार में अपर जिलाधिकारी(वित्त/राजस्व) अविनाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि शासन से निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व की वसूली की जाय। उन्होनें कहा कि धारा-24, धारा-34, 116, 8० आदि लंबित राजस्व वादों का निस्तारण नियमानुसार समय से गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाय, साथ ही ०5 वर्ष से अधिक पुराने लंबित वादों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाय। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना के आवेदनो का निस्तारण ससमय करें एवं आय,जाति, हैसियत प्रमाण पत्रों के प्राप्त आवेदनों को ससमय निस्तारण करे। आई०जी०आर०एस०, व अन्य माध्यमो से प्राप्त शिकायतो का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से नियमानुसार कार्यवाही करके करें। शिकायतकर्ता से संपर्क कर फीडबैक अवश्य ले। उन्होंने कहा कि खसरा की फीडिंग जो शेष है को यथाशीघ्र फीड कराये। उन्होंने कहा कि तालाबी रकबा, पशुचर की जमीन या अन्य सरकारी जमीन को चिन्हित कर अतिक्रमणमुक्त कराया जाय। इस मौके पर उप जिलाधिकारी सदर, खागा, बिन्दकी, अपर उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार

निष्पक्ष देव विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आशीर्वाद समारोह हुआ सम्पन्न

खागा/फतेहपुर। निष्पक्ष देव विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, गुरसंडी में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा व भविष्य के लिए प्रेरित करना और नैतिक मूल्यों का बोध कराना था। विद्यालय के आचार्यों ने विद्यार्थियों को सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए आशीर्वचन दिया और परिश्रम, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, शिक्षा से ही अपना, अपने परिवार और देश का भला संभव है। शिक्षित व्यक्ति समाज को सही दिशा में ले जाता है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित वरिष्ठ शिक्षकगण, अभिभावक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को जीवन में नैतिकता और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और विद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया।

श्रीमद् जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामस्वरूपाचार्य जी महाराज जी के श्री मुख से कथा का रसपान कर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए

ओरन कस्बे में राम कथा सुनाते कथा व्यास श्री कामदगिरि पीठाधीश्वर स्वामी रामस्वरूपाचार्य जी महाराज

बांदा। ओरन कस्बे के आकाश गार्डन में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश द्विवेदी द्वारा आयोजित 5 दिवसीय श्री राम कथा के अंतिम दिन कथा व्यास श्री कामदगिरि पीठाधीश्वर श्रीमद् जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामस्वरूपाचार्य जी महाराज जी के श्री मुख से कथा का रसपान कर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। श्री राम कथा के पांचवे दिन मंगलवार को प्रभु श्री राम के वनवास कथा का वर्णन हुआ। चित्रकूटधाम से आए श्री राम कथा वाचक जगतगुरु रामस्वरूपाचार्य जी महाराज ने श्री राम के राज तिलक से वनवास तक की कथा सुनायी। महाराज ने कहा कि प्रभु श्री राम दशरथ के चार पुत्रों में सबसे बड़े पुत्र थे। श्री राम अपने पिता की हर बात का पालन करते थे। चारों भाइयों में सबसे बड़े होने के नाते राम को राजपाठ का भी बहुत ज्ञान था। हर समय अपने पिता दशरथ का हाथ बंटाते थे। जैसे-जैसे प्रभु राम बड़े हुए तो दशरथ के मन में एक ही बात थी, कि मैं अपने जीते-जीते राम को आयोध्या का राजा बना कर राज तिलक कर दूं। राजा दशरथ ने अपने राज्य में युवराज राम को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। पूरी आयोध्या नगरी प्रभु श्री राम के राज तिलक को उतावली थी। इसी बीच माता कैकई ने राजा दशरथ से वरदान मांगते हुए श्रीराम को वनवास भेजने व भरत का राज तिलक करने की बात कही। जैसे ही राजा महल से निकल दरबार में आए तो उन्होंने राज तिलक के स्थान पर प्रभु श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास दे दिया। महाराज जी ने कहा कि श्री राम बिना कुछ सवाल किए अपने पिता राजा दशरथ की बातों को सुन वनवास के लिए जाने लगे। इसी बीच माता सीता और भाई लक्ष्मण भी उनके साथ वनवास के लिए निकल गए। अपने युवराज को वनवास जाता देख पूरी अयोध्या उनके साथ वन में जाने को तैयार थी, लेकिन श्री राम ने अपने पिता के वचन का मान रखते हुए सभी को समझाया और वचन पालन के लिए 14 वर्ष के वनवास के लिए निकल पड़े। स्वामी जी ने कहा कि आज के युवाओं को भी प्रभु श्री राम की कथा से प्रेरणा लेते हुए माता पिता की आज्ञा का पालन करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कलयुग के बच्चे माता पिता के बातों को सुनना तो दूर उन्हें ही वनवास (वृद्धाश्रम) भेज रहे हैं। उन्होंने सभी युवाओं से अपने माता पिता का सम्मान करने की बात कही। इस दौरान संगीतमय भजन के साथ पूज्य स्वामी जी द्वारा चौपाइयों , दोहों, छंदों व श्लोकों के माध्यम से प्रस्तुत कथा को सुन कर श्रोता झूम उठे। इस अवसर पर चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी लंबरदार,पद्मश्री उमाशंकर पांडेय,सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष इंद्रपाल सिंह पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा बालमुकुंद शुक्ला, भाजपा नेता दिलीप सिंह, लाखन सिंह,जिला महामंत्री अखिलेश नाथ दीक्षित, जिला उपाध्यक्ष प्रेमनारायण द्विवेदी तथा डॉ धर्मेन्द्र त्रिपाठी, जिला मीडिया प्रभारी आनन्द स्वरूप द्विवेदी, अमर सिंह राठौर एड, राजभवन उपाध्याय, धनंजय करवरिया,मनोज कुमार द्विवेदी एड,राजकिशोर बाजपेई, सपा नेता विवेकविंदु तिवारी, सहकारिता प्रकोष्ठ जिला संयोजक उदितनारायण द्विवेदी, प्रभाकर द्विवेदी,आशीष अनुरागी, रामबाबू त्रिपाठी, विमल द्विवेदी, राजेंद्र द्विवेदी, मार्तंड प्रताप द्विवेदी, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, दीनदयाल द्विवेदी, राजाबाबू चतुर्वेदी, राजेंद्र मिश्रा, रेवतीरमण पांडेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एक्टर बनने के लिए डॉक्टरी छोड़ी

सीरीज 'चिड़िया उड़' में सेक्स वर्कर का रोल मिला, किरदार समझने के लिए रेड लाइट एरिया गईं भूमिका मीना

भूमिका मीना इंडस्ट्री की एक उभरती हुई सितारा हैं। फिलहाल वो अमेजन डग् प्लेयर के शो में 'चिड़िया उड़' में लीड रोल में नजर आ रही हैं। इस शो में भूमिका को जैकी श्रॉफ, मीता वशिष्ठ और सिकंदर खेर जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है। से बातचीत में भूमिका ने डॉक्टर स ` एक्टर बनने तक की अपनी जर्नी शेयर की है। भूमिका से बातचीत का प्रमुख अंश3 सवाल- 'चिड़िया उड़' में आपका किरदार सेक्स वर्कर का होता है। रोल की तैयारी और चुनौतियों के बारे में बताएं। जवाब- मेरा मानना है कि बतौर एक्टर हमारी तैयारी रोल मिलने के बहुत पहले शुरू हो जाती है। जब मैंने तय किया था कि मुझे एक्टर बनना है, उस वक्त मैंने सोच लिया था कि मुझे बैकअप में कुछ नहीं रखना। मुझे सिर्फ एक्टिंग पर फोकस करना है। मैंने अलग-अलग टीचर के साथ ट्रेनिंग ली है। सहर का किरदार के लिए मैंने बहुत रिसर्च किया है। रिसर्च में मुझे कई शॉकिंग चीजें पता चली। मैंने दो-तीन बार कमाठीपुरा भी गई थी। कोविड की वजह से ऑन फील्ड बहुत रिसर्च नहीं कर पाई। सेक्स वर्कर को लेकर मेरी जो समझ बनी, उसमें ऑनलाइन रिसर्च और डॉक्यूमेंट्री का रोल ज्यादा है। मेरी मां गांव में रही हैं, उन्होंने भी मुझे कई किस्से बताए। इस रोल को निभाने में कई चुनौतियां मिली लेकिन जब आप नए होते हैं तो वो चौलेंज भी आपको एक्साइटमेंट देते हैं। सवाल- एक्टर बनना है ये आपने कब तय किया? जवाब- मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। लेकिन जयपुर में इसे लेकर सोचती नहीं थी। पेरेंट्स के इनफ्लुएंस में मैंने डॉक्टरी की पढ़ाई कर ली। जयपुर जैसी जगह पर लोग एक्टर को एक्टर नहीं हीरो-हीरोइन की तरह देखते हैं। लेकिन एक्टर बनने की हिम्मत मेरे अंदर दिल्ली आने के बाद आई। जब मैं इंडिपेंडेंट रहने लगी। मेरा बचपन अच्छा रहा, मेरी पढ़ाई देश के नामी स्कूल-कॉलेज में हुई। मैं पढ़ाई, डांस, पब्लिक स्पीकिंग, डिबेट सब में अच्छी थी। मैं अपनी क्लिनिक में फेमस भी रही। सब कुछ सही होने के बाद भी मैं अंदर से खुश नहीं थी। मुझे अपने एम्बिशन में कुछ मिसिंग लग रहा था। मैं उस कंफ्यूजन को समझने के लिए विपश्यना गई। मुझे इससे अपने एम्बिशन को लेकर क्लैरिटी मिली। मैं कॉलेज के दौरान भी थियेटर करती थी लेकिन विपश्यना के बाद मैंने थियेटर को गंभीरता से लिया। मैंने एक्टिंग की बारीकियों को, ऑडिशन कैसे होता है, दिल्ली में कौन कास्टिंग डायरेक्टर है, ये सब पता करना शुरू किया। कुछ इस तरह मेरी एक्टिंग जर्नी की शुरुआत हुई। सवाल- जब आपने पेरेंट्स को बताया कि आपको एक्टिंग करनी है और मुंबई जाना है, तो क्या रिएक्शन था? जवाब- एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद, मैंने तय कर लिया कि अब एक्टिंग ही करनी है। कोई बैकअप नहीं रखना मुझे फिर मैंने अपने पैरेंट्स को बताया।

और उनका रिएक्शन मैं क्या बताऊं? चीजें मेरे लिए आसान नहीं थी। मेरे मां-बाप दोनों डॉक्टर हैं। उनके लिए एक्टिंग कभी करियर नहीं हो सकता है। वो मेरे फैसले से शॉक्ड हो गए थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि कोई बना-बनाया करियर कैसे छोड़ सकता है। मैंने अपनी मां को अपनी वजह से रोते देखा। मैं घर का वो बच्चा थी, जिसका एग्जांपल दूसरे बच्चों को दिया जाता था। लेकिन एक इस फैसले से मैं उनके लिए बड़ी निराशा बन गई थी। लेकिन मैं एक्टिंग के लिए इतनी पैशनेट थी कि मैंने उन्हें मनाए बिना मुंबई शिफ्ट हो गई। आज जब मैंने लीड रोल कर लिया उसके बाद भी मेरी मां मुझे पीजी करने की सलाह देती हैं। सवाल- मुंबई आने के बाद का आपका अनुभव कैसा रहा?जवाब- शुरुआत में मैंने भी वही सारे चौलेंज फेस किए जो कोई भी नए शहर में आकर करता है। मैं दिल्ली से 6 महीने की सेविंग्स लेकर आई थी। शुरू में मैंने शेयरिंग में जैसे-तैसे एक घर ढूंढा। फिर वहां कुछ ऐसा हुआ कि मुझे घर छोड़ना पड़ा। मैं कहां जाऊं, मेरे पास कोई ऑप्शन नहीं था। फिर लॉकडाउन का आना, पेरेंट्स से सपोर्ट नहीं मिलना, ऑडिशन में रिजेक्ट होना ये सारी चीजें चल रही थीं। इन सबके बाद भी मुंबई मुझे अपनी जगह लग रही थी। रिजेक्ट तो मैं आज भी होती हूं लेकिन मैं इन सारी चीजों को लेकर पहले भी तैयार थी और आज भी हूं। सवाल- आपको अपना पहला ब्रेक कब मिला? जवाब- मुंबई आने के साढ़े तीन साल बाद मुझे मेरी पहली शॉर्ट फिल्म 'चूहेदानी' मिली। उससे पहले मैंने छोटे-मोटे एड ही किए थे। लेकिन पहला एड फिल्म मिलने का किस्सा बड़ा मजेदार है। मैं मालाड में 5-6 लड़कियों के साथ रूम शेयर करती थी। ऐसे में मैं एक दिन फ्लैट ढूंढने निकली। बतौर एक्टर मैं अपने बैग में फॉर्मल, इंडियन और कैजुअल कपड़े साथ लेकर निकलती थी कि पता नहीं कब कॉल आ जाए। मैं ऑटो में थी, तभी मुझे एक मैसेज आया कि हम ऑडिशन कर रहे हैं, आप आ जाओ। मुझे मुंबई आए हुए अभी बस 3-4 दिन हुए थे। मैं जब ऑडिशन के लिए पहुंची तो एक छोटे से कमरे में 5-6 लोग थे। मुझे कहा गया कि आपका लुक कैरेक्टर के हिसाब से सही लग रहा है। फिर मैंने ऑडिशन दिए और मैं सेलेक्ट हो गई। फिर उसके बाद मुझे लंबे समय तक काम नहीं मिला। सवाल- आपने 'चिड़िया उड़, 'दुकान, 'स्लम गोल्फ', 'चूहेदानी' जैसे प्रोजेक्ट में काम किया। आपको लगता है शुरुआत अच्छी हुई है? जवाब- हां, मैं इस बात के लिए काफी शुक्रगुजार हूं। सहर का रोल एक्ट्रेसेस को बहुत काम करने के बाद मिलता है। मैं लकी हूं कि करियर के पांच साल के अंदर ही ये करने का मौका मिला। वो भी जैकी श्रॉफ, सिकंदर खेर, मीता वशिष्ठ जैसी दिग्गज एक्टर के साथ। जैकी सर से मैंने सीखा कि लोगों के लिए दिल बड़ा रखना चाहिए। वो इतने बड़े स्टार होने के बाद भी वो इतने अपनापन के साथ मिलते हैं। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री ने मुझे बड़े प्यार से अपनाया है। सवाल- फ्यूचर में अपने आप को कहां देखती हैं? जवाब- मेरे सपने बहुत बड़े हैं। जब मेडिकल छोड़ रही थी तब बहुत डरी थी लेकिन अब आजाद महसूस करती हूं। मुझे एक्टिंग में नई ऊंचाइयां सेट करनी है। 'चिड़िया उड़' ने मेरे करियर को नई उड़ान दी है। जल्द ही मेरा एक और प्रोजेक्ट आनेवाला है, जिसे लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में निर्देशक अनुभव सिन्हा ने अपनी और शाहरुख खान की फिल्म श्रा.वनश् की मेकिंग और उसके फ्लॉप होने की वजह पर बात की है। अनुभव मानते हैं कि 'रा.वन' एक खराब फिल्म थी इसलिए फिल्म नहीं चली। फिल्म की स्क्रिप्ट और एडिटिंग भी खराब थी। आठ घंटे लगातार मुझे कॉल आते रहे लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में अनुभव बताते हैं- 'मैंने इस फिल्म की कल्पना 2005 में ही कर ली थी। और साल 2006 में मैंने इसे लिखना शुरू कर दिया था। बेशक, मैं शाहरुख के साथ फिल्म के बारे में बातचीत कर रहा था लेकिन कुछ भी तय नहीं था। शाहरुख ने बर्लिन की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस प्रोजेक्ट को अनाउंस कर दिया और इंडिया की फ्लाइट में बैठ गए। मुझे आठ घंटे तक लगातार लोगों के कॉल आते रहे। सच बताऊं तो मुझे नहीं पता था कि शाहरुख ने ऐसा कुछ कहा है और मुझे नहीं पता था कि क्या रिप्लाई करूं। आठ घंटे बाद जब मेरी उनसे बात हुई तो शाहरुख ने कहा कि हम फिल्म कर तो रहे हैं, इसमें छिपाने वाली क्या बात है?' इंडस्ट्री का बड़ा तबका शाहरुख को गिरते देखना चाहता था 'रा.वन' पर बात करते हुए डायरेक्टर ने कहा कि उस वक्त इंडस्ट्री में कितने लोग चाहते थे कि फिल्म असफल हो जाए। अनुभव कहते हैं- 'मेरा ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री के भीतर एक बड़ा तबका शाहरुख को गिरते हुए देखना चाहता था। मैं इस इंडस्ट्री में काफी समय से हूं और मैं लोगों को अच्छी तरह से जानता हूं। जब शाहरुख ने माना कि फिल्म फ्लॉप हो गई तो यह मेरे लिए दिल तोड़ने वाला था। मैंने फिल्म के साथ धोखा किया। मेरे ऊपर उनका भरोसा भी टूटा। मैं शाहरुख को ऐसी फिल्म नहीं दे सका जिस पर उन्हें गर्व हो।' शाहरुख खान कमाल के किरदार हैं अनुभव इंटरव्यू में बताते हैं कि वो फिल्म उस तरह नहीं बनी जैसा उन्होंने सोचा था। लेकिन उन्हें कभी बजट के बारे में नहीं सोचना पड़ा क्योंकि शाहरुख कभी पैसों को लेकर चर्चा नहीं करते थे। वो पैसों से बहुत ऊपर की चीज हैं। वो बेहद कमाल किरदार हैं। शाहरुख को इसकी बिल्कुल भी परवाह नहीं थी। फिल्म के बजट के बारे में मैंने जो भी सुना वो बाहर से ही सुना था। कोई 90 करोड़ कहता है तो कोई 120 करोड़ रुपये। मैंने फिल्म पर कंट्रोल खो दिया था। ना शाहरुख ने कभी ऐसी फिल्म बनाई थी और ना मैंने। हम बहुत सारे लोगों की राय पर निर्भर थे।

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी 44 की उम्र में भी कहर ढाती हैं. एक्ट्रेस ने अब बाथरूम में अपनी हसीन अदाएं दिखाकर फैंस के दिलों को धड़का दिया है. श्वेता तिवारी टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं. श्वेता अपनी खूबसूरती के साथ ही फिटनेस को लेकर भी चर्चा में रहती हैं और आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों से आग लगाए रहती हैं. हाल ही में श्वेता तिवारी ने अपनी बाथरूम तस्वीरों से इंटरनेट हिला डाला.

श्वेता तिवारी ने बाथरूम में इठालते हुए अपनी कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं जिन पर फैंस फिदा हो रहे हैं. एक्ट्रेस तस्वीरों में व्हाइट कलर के बाथरोब पहने हुए नजर आ रही हैं और अपनी अदाओं से फैंस का दिल घायल कर रही हैं. इस तस्वीर में एक्ट्रेस काफी सेंसुअस लग रही हैं और अपनी टोन्ड लेग्ट भी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. श्वेता की ये तस्वीर कातिलाना है.इस तस्वीर में श्वेता अपनी खुली हुई जुल्फों के साथ अपनी प्यारी स्माइल का जादू बिखेर रही हैं. इस फोटो से नजरें हटाना मुश्किल है.श्वेता ने अपने बाथरूम फोटोशूट के लिए व्हाइट बाथरोब के साथ सटल मेकअप किया है और बालों को खुला रखा है. इस लुक में वे गजब ढा रही हैं.44 की उम्र में भी श्वेता तिवारी अपनी हसीन अदाओं से यंग एक्ट्रेसेस को फेल कर रही हैं.श्वेता की ये तस्वीर भी कातिलाना है. एक्ट्रेस बाथरूम स्लैब पर बैठे हुए दिलकश पोज में नजर आ रही हैं.

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
बुधवार, 19 फरवरी, 2025

बीसीसीआई की सख्ती का हुआ बड़ा असर

भारतीय टीम पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल ऑफबोर्ड यानी बीसीसीआई की तरफसे की गई सख्ती धरातल पर दिखने लगी है। दरअसल, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद बीसीसीआई ने 10 सूत्रीय दिशा निर्देश जारी कीए है। बीसीसीआई की नई यात्रा नीति के मुताबिक खिलाड़ियों के परिवार वाले साथ नहीं जाएंगे। नियम के अनुसार दौरे पर परिवार और निजी स्टाफकी मौजूदगी पर पाबंदी रहेगी, जिसके कारण खिलाड़ी अब अन्य विकल्प तलाश रहे हैं। रविवार को प्रैक्टिस सेशन खत्म होने के बाद विराट कोहली के हाथ में पैक्ड खाना देखने को मिला, जिसने सबको चौंका दिया। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुछ खिलाड़ियों के अपने परिवारों के साथ अलग यात्रा करने के बाद ये पाबंदियां लगाई गई। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 1.3 से हार के बाद बीसीसीआइ ने सभी खिलाड़ियों को अभ्यास सत्रों के दौरान पूरे समय मौजूद रहने और टीम के साथ ही स्टेडियम जाने और आने के निर्देश दिए। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक विराट कोहली टीम के लोकल मैनेजर से करीब 15 मिनट तक बात करते हुए नजर आए। जब वह टीम बस में जाने के लिए लौटे तो उनके हाथ में खाने का बैग था। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफदुबई में करेगी। जिसके बाद 23 फरवरी को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से सामना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला दो मार्च को खेला जाना है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेलेगी, जबकि बाकी टूर्नामेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान के तीन शहर कराची, लाहौर और रावलपिंडी में होगा। वहीं इस टूर्नामेंट का फाइनल 9 मार्च को है लिहाजा ये दौरान तीन हफ्ते से कम समय का ही है जिसमें बीसीसीआई खिलाड़ियों के परिवार को साथ जाने की अनुमति नहीं देगा।

आज से होगी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत

भारत की नजरें 12 साल का खिताबी सूखा समाप्त करने पर

दुबई। चौंपियंस ट्रॉफी के लिए आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं, जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया हैं। दुनिया की शीर्ष आठ टीमों के बीच बुधवार से चौंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत होने जा रही है। आठ साल बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इसका आयोजन हाइब्रिड मॉडल की तर्ज पर होगा जिसमें इसके मुकाबले पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था जो टूर्नामेंट का मेजबान है जिसके बाद आईसीसी ने भारत के मुकाबले दुबई में कराने का फैसला किया था। चौंपियंस ट्रॉफी के लिए आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं, जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया हैं। अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी और दो टीमों के बीच नौ मार्च को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत अगर टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रहा तो फाइनल मैच दुबई में ही आयोजित होगा। भारत के फाइनल में नहीं पहुंचने की स्थिति में यह लाहौर में खेला जाएगा। आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छा रहा है भारत का प्रदर्शन भारत का पिछले कुछ समय से आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि टीम इंडिया ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और अब उसके पास छह महीने के अंदर दूसरा आईसीसी खिताब जीतने का मौका रहेगा। भारतीय टीम पिछली बार विजेता बनने से चूक गई थी और उसे फाइनल में पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने आखिरी बार 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था और अब 12 साल बाद टीम की नजरें एक बार फिर इस खिताब को अपने नाम करने पर टिकी होंगी। रोहित-कोहली पर होंगी नजरें टीम समीकरणों के अलावा खिलाड़ियों पर भी नजरें होंगी जिनमें पहला नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली का है। आधुनिक क्रिकेट के दोनों दिग्गज अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं और जीत के साथ विदा लेना चाहेंगे। भारतीय वनडे टीम में चौंपियंस ट्रॉफी के बाद रोहित और कोहली की जगह नहीं दिखती। यहां खराब खेलने पर टेस्ट क्रिकेट में भी उनके भविष्य पर असर पड़ सकता है। वहीं चौंपियंस ट्रॉफी में नाकामी की गाज कोच गौतम गंभीर पर भी गिर सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में अच्छे प्रदर्शन से गंभीर को क्षणिक राहत भले ही मिल गई हो, लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार को इतनी जल्दी भुलाया नहीं जा सकता। ऐसे में आईसीसी खिताब उनके लिए बड़ा सहारा बन सकता है। भारत को दबाव से बचना होगा भारतीय टीम ने भी महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2013 चौंपियंस ट्रॉफी के बाद कोई वनडे खिताब नहीं जीता है। भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी लेकिन एक सत्र या एक पल का खराब प्रदर्शन सारे समीकरण बिगाड़ सकता है। जैसा 2023 विश्व कप फाइनल में हुआ जब पूरे टूर्नामेंट में उम्दा प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम आखिर में दबाव में आ गई। पाकिस्तान-न्यूजीलैंड मैच से होगी शुरुआत भारत के अलावा बात करें तो चौंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत गत चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच से होगी। इसके बाद गुरुवार को भारत का सामना बांग्लादेश से होगा। सभी की नजरें 23 फरवरी को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले पर टिकी होंगी जो इस टूर्नामेंट का महामुकाबला होगा। आईसीसी टूर्नामेंट में हमेशा ही भारत का पलड़ा पाकिस्तान पर भारी रहता है, लेकिन भारतीय टीम 2017 की कड़वी यादों को दिमाग में रखना चाहेगी और पाकिस्तान से उस हार का बदला चुकता करने उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के लिए बड़ी चुनौती वनडे विश्व कप की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया टीम प्रमुख खिलाड़ियों की चोट से परेशान है। टीम अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के बिना आई है, लेकिन उसके पास वनडे प्रारूप की जरूरतों पर खरे उतरने वाले बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों पर बढ़ती उम्र और खराब फॉर्म हावी है, लेकिन जोस बटलर, जो रूट और लियाम लिविंगस्टोन से एक आखिरी बार उसी चिर परिचित प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है या हैरी ब्रूक और बेन डकेट जैसे युवा खिलाड़ी नया रास्ता बना सकते हैं। न्यूजीलैंड को पहले खिताब की तलाश न्यूजीलैंड भी ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी के संन्यास के बाद नए खिलाड़ियों के साथ उतरी है। केन विलियमसन ट्रंपकार्ड हैं और उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड को पहला आईसीसी खिताब दिला सकेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने 1998 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जीती, लेकिन हाल ही में कोई खिताब नहीं जीत पाई और इस कमी को पूरा करना चाहेगी। अफगानिस्तान की जीत को अब उलटफेर नहीं माना जाता है। राशिद खान, आईसीसी वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर रहे अजमतुल्लाह उमरजई और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे मैच विनर उसके पास हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश 2007 वनडे विश्व कप में उलटफेर कर चुका है और उसे दोहराना चाहेगा।

कोहली बन सकते हैं चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज, सभी को छोड़ेंगे पीछे

नई दिल्ली। चौंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 17 मैचों में 52.73 के औसत और 88.77 के स्ट्राइक रेट से 791 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है। कोहली गेल के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास चौंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने का सुनहरा मौका है। इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत इस टूर्नामेंट के लिए ग्रुप ए में शामिल है जिसमें गत चौंपियन पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश भी मौजूद है। पुरुष चौंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 2009 से 2017 तक प्रत्येक चार साल में कोहली से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिनका आईसीसी टूर्नामेंट में बेहतर रिकॉर्ड है। पाकिस्तान-दुबई में होंगे मैच इस आईसीसी टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान और दुबई में होगा। भारत ने टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था जिसके बाद आईसीसी ने भारत के मैच दुबई में कराने का फैसला किया था। भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत इस टूर्नामेंट के लिए ग्रुप ए में शामिल है जिसमें गत चौंपियन पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश भी मौजूद है। पुरुष चौंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 2009 से 2017 तक प्रत्येक चार साल में किया गया, लेकिन इसके बाद कोविड और इसकी प्रासंगिकता को लेकर उठ रहे सवालों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 1998 हुई थी और इसका आयोजन तब प्रत्येक दो साल में किया जाता था। गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं कोहली चौंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 17 मैचों में 52.73 के औसत और 88.77 के स्ट्राइक रेट से 791 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है। कोहली गेल के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। इस भारतीय बल्लेबाज ने चौंपियंस ट्रॉफी में 13 मैचों में 88.16 के औसत और 92.32 के स्ट्राइक रेट से 529 रन बनाए हैं जिसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं। कोहली का इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च निजी स्कोर नाबाद 96 रन है जो उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 2017 में बनाया था। उन्होंने पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रमशः नाबाद 81 और नाबाद 76 रनों की पारी भी खेली है। कोहली गेल को पीछे छोड़ने से 263 रन दूर हैं। अगर कोहली इतने रन बना लेते हैं तो वह चौंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। चौंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बल्लेबाज रन मैच क्रिस गेल 791 17 माहेला जयवर्धने 742 22 शिखर धवन 701 10 कुमार संगकारा 683 22 सौरभ गागुली 665 13 जैक कैलिस 653 17 राहुल द्रविड़ 627 19 रिकी पोंटिंग 593 18 शिवनारायण चंद्रपॉल 587 16 सनथ जयसूर्या 536 20 विराट कोहली 529 13 बेहतर फॉर्म में नहीं चल रहे हैं कोहली कोहली पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद 12 साल बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी में भी सफल नहीं हुए थे। वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में घुटने में सूजन के कारण नहीं खेल सके थे, जबकि दूसरे मैच में सस्ते में आउट हुए थे। हालांकि, तीसरे मैच में उन्होंने अर्धशतक जरूर लगाया था।

बिना नाकामी के कामयाबी नहीं , कड़ी मेहनत करते रहो: मैरी कॉम, लेखरा, सुहास

एम सी मैरी कॉम, पैरालम्पिक स्टार अवनि लेखरा और सुहास यथिराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा ' पहल के तहत स्कूल के बच्चों को तनाव से निपटने के टिप्स देते हुए कहा कि नाकामी के बिना कामयाबी नहीं मिलती और कड़ी मेहनत हमेशा काम आती है।

महान मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम, पैरालम्पिक स्टार अवनि लेखरा और सुहास यथिराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा ' पहल के तहत स्कूल के बच्चों को तनाव से निपटने के टिप्स देते हुए कहा कि नाकामी के बिना कामयाबी नहीं मिलती और कड़ी मेहनत हमेशा काम आती है। तीनों खिलाड़ियों ने बच्चों को नाकामी से उबरने, फोकस बनाये रखने और सुनौतियों का सामना करने की भी सलाह दी। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे बच्चों के लिये 2018 से आयोजित किया जा रहा है। दो बार की पैरालम्पिक चौम्पियन निशानेबाज लेखरा ने कहा ,'' लोग कहते हैं कि सफलता असफलता की विलोम है। लेकिन मेरा मानना है कि नाकामी ही कामयाबी का सबसे बड़ा हिस्सा है। नाकामी के बिना कभी कामयाबी नहीं मिलती।'' आम तौर पर टाउन हॉल प्रारूप में होने वाला परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम इस बार दिल्ली में सुंदर नर्सरी में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियों को स्कूली बच्चों के सवालों का जवाब देने के लिये बुलाया। उन्होंने 10 फरवरी को इसकी शुरूआत खुद की। छह बार की विश्व चौम्पियन और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम ने मुक्केबाजी कैरियर के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा ,'' मुक्केबाजी महिलाओं का खेल नहीं है। मैने यह चुनौती स्वीकार की क्योंकि मैं खुद को साबित करना चाहती थी और देश की सभी महिलाओं को बताना चाहती थी कि हम कर सकते हैं और मैं कई बार विश्व चौम्पियन बनी।'' उन्होंने कहा ,''आपके जीवन में भी अगर आप चुनौती का सामना करना चाहते हैं तो भीतर से मजबूत होना होगा। शुरूआत में मैने कई चुनोतियों का सामना किया। कई बार मैं हतोत्साहित हो जाती थी क्योंकि चुनौतियां काफी थी।'' मैरी कॉम ने कहा ,'' हर क्षेत्र कठिन है। कोई शॉर्टकट नहीं होता। आपको मेहनत करनी होती है। अगर मैं कर सकती हूं तो आप क्यो नहीं।'' दो बार के पैरालम्पिक रजत पदक विजेता बैडमिंटन स्टार और आईएएस अधिकारी सुहास ने कहा ,'' अच्छी चीजें आसानी से नहीं मिलती। सफर चलता रहना चाहिये। सूरज की तरह चमकना है तो जलने के लिये भी तैयार रहना होगा।'' बच्चों ने दबाव, आशंकायें, बेचैनी और भटकाव से जुड़े कई सवाल पूछे। सुहास ने बताया कि कैसे नाकामी के डर को मिटाने से उन्हें एशियाई चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में मदद मिली। उन्होंने कहा ,'' आपका दिमाग ही आपका सबसे बड़ा दोस्त और दुश्मन है। मैने 2016 में एशियाई चौम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

पाकिस्तान की हरकत से भारतीय फैंस हुए नाराज, चौंपियंस ट्रॉफी समारोह में नहीं दिखा भारत का तिरंगा

चौंपियंस ट्रॉफी का आगाज 19 फरवरी से पाकिस्तान में होने जा रहा है। टूर्नामेंट पाकिस्तान और यूएई में खेला जाएगा। हाइब्रिड मॉडल के तहत भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। दरअसल, सुरक्षा कारणों के कारण भारत ने अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। फिलहाल,बीते रविवार को लाहौर में चौंपियंस ट्रॉफी 2025 की ओपनिंग सेरेमनी हुई। हालांकि, इस दौरान लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और कराची के नेशनल स्टेडियम में भारतीय झंडा नहीं दिखा, जिस पर फैंस ने सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिसमें चौंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा ले रहे सभी टीमों के झंडे लहराते हुए दिख रहे हैं। लेकिन भारतीय झंडा वहां मौजूद नहीं है। जिससे भारतीय फैंस नाराज दिखे। भारतीय झंडा स्टेडियम में ना होने का कारण नहीं पता चल सका है लेकिन कुछ का मानना है कि शायद भारतीय टीम द्वारा पाकिस्तान में ना जाकर अपने मैच दुबई में खेलने के फैसले पर पाकिस्तान ने ये बेहुदा हरकत की है। फैंस ने पाकिस्तान की इस हरकत पर नाराजगी जाहिर की है। आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होगी और पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। आईसीसी के नियम के मुताबिक मेजबान देश को बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान सभी हिस्सा लेने वाले देशों के झंडे लगाने होते हैं। लेकिन कराची में टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले सभी आठ टीमों में सिर्फ भारत का झंडा नहीं दिखा। कराची स्थित नेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमों के मैच आएयोजित किए जाएंगे। इससे पहले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम से भी इसी तरह की वीडियो सामने आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि स्टेडियम में भारतीय झंडा नहीं है।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज राउफचोट से उबरे, चौंपियन्स ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहेंगे रू सूत्र

कराची । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफचोट से उबर चुके हैं और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफआईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी में टीम के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान टीम के एक करीबी सूत्र ने रविवार को पीटीआई को पुष्टि की कि हारिस चोट से उबर गए हैं और कराची में चौंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलेंगे। इस तेज गेंदबाज को हाल ही में त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान छाती की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। सूत्र ने कहा, ''हारिस अब ठीक हैं और त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच के बाद दिए गए आराम से उन्हें उबरने में मदद मिली है।'' सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान के किसी अन्य खिलाड़ी के साथ फिटनेस संबंधी कोई समस्या नहीं है। अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता के साथ पाकिस्तान के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं जबकि चयनकर्ताओं ने उनके विकल्प के रूप में अकिफ जावेद को बुलाया है जिन्हें पदार्पण का इंतजार है। हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 110 विकेट चटकाए हैं। पाकिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड से दो बार हार गया था जिसमें शुक्रवार को हुआ फाइनल भी शामिल है। टीम को चौंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में हार का बदला चुकता करने का मौका मिलेगा जिसमें वे गत विजेता भी हैं।

तीसरी तिमाही में 262 करोड़ रुपये का मुनाफा

भारत संचार निगम लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में 262 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो 2007 के बाद लाभप्रदता में पहली बार वापसी है। यह आक्रामक नेटवर्क विस्तार और लागत अनुकूलन उपायों द्वारा संचालित ग्राहक वृद्धि के कारण था। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत में टेलीकॉम सेक्टर के सफर में आज एक अहम दिन है। प्रधानमंत्री ने कल्पना की है कि दूरसंचार क्षेत्र भारत के डिजिटल भविष्य का वाहक होगा। सिंधिया ने आगे कहा कि हमारे सभी दूरसंचार सेवा प्रदाता इस लक्ष्य की दिशा में ईमानदारी से काम कर रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति में, बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में, 17 वर्षों में पहली बार तिमाही आधार पर लाभ कमाया। बीएसएनएल ने आज घोषित आय में 262 करोड़ रुपये का तिमाही मुनाफा कमाया है। बीएसएनएल के सीएमडी ए. रॉबर्ट जे. रवि ने एक बयान में कहा कि हम इस तिमाही में अपने वित्तीय प्रदर्शन से प्रसन्न हैं, जो नवाचार, ग्राहक संतुष्टि और आक्रामक नेटवर्क विस्तार पर हमारे फोकस को दर्शाता है। इन प्रयासों से, हमें उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष के अंत तक राजस्व वृद्धि में 20: से अधिक सुधार होगा। रवि ने कहा कि यह 262 करोड़ रुपये का लाभ बीएसएनएल के पुनरुत्थान और दीर्घकालिक स्थिरता को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल ने अपनी वित्तीय लागत और समग्र व्यय भी कम कर दिया है, जिससे पिछले साल की तुलना में घाटे में 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की कमी आई है।

भारत में कई भाषाओं में होगा चौंपियंस ट्रॉफी का प्रसारण

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 शुरू होने में चंद ही दिन शेष हैं। अब टूर्नामेंट की शुरुआत में एक हफ्ते से भी कम का वक्त बाकी रह गया है। टूर्नामेंट पाकिस्तान की मेजबानी में खेला जाएगा लेकिन रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी।

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने मिठाई खाते हुए तस्वीर की शेयर

गौतम गंभीर ने मिठाई खाते हुए तस्वीर शेयर करके लिखा कि, जिंदगी छोटी है इसे स्वादिष्ट बनाओ। इस पर इरफान पठान ने टांग खींचते हुए पूछा, भाई ये दाल राइस के बाद है?

कभी भी अनुचित तरीके से नहीं बनवाएं आयुष्मान भारत कार्ड, अन्यथा हो जाएगा रद्द और लटकेगी रिकवरी की तलवार

भले ही आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लोगों को मुफ्त इलाज मिलता है और इसका लाभ लेने के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाना भी अनिवार्य होता है। लेकिन यदि आपने गलत तरीके से आयुष्मान कार्ड बनवाया है या फिर बनवाने की योजना बना रहे हैं तो बिल्कुल सावधान हो जाइए, क्योंकि निकट भविष्य में या मामले का भंडाफोड़ होने पर आपको काफी दिक्कत हो सकती है और लेने के देने भी पड़ सकते हैं।इसके अलावा, गौर करने वाली बात यह है कि ऐसे मामलों से जुड़े जालसाज लोग आपसे पैसे लेकर भी आयुष्मान कार्ड बनवाने का झांसा दे सकते हैं। लेकिन मेरा सुझाव है कि यदि आप अपना और अपने परिजनों का आयुष्मान कार्ड बनवाते समय यहां पर बताई हुई कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखते हैं तो ऐसे किसी भी मुसीबत से बच सकते हैं- पहला, आयुष्मान कार्ड बनवाने से पहले आप अपनी पात्रता जरूर चेक कर लें। दूसरा, यदि कोई आपसे पैसे लेकर आयुष्मान कार्ड बनवाने का झांसा देता है, तो ऐसे लोगों से बचें और दूर रहें। तीसरा, अपना या अपने परिजनों का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए हमेशा कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र या यूटीआई-आईटीएसएल केंद्र पर ही जाएं। वहीं, इन जगहों पर आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए, पारिवारिक समग्र आईडी के साथ एक पहचान पत्र भी जरूर ले जाएं, अन्यथा आपके काम में बाधा आएगी। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए सरकार द्वारा घोषित पात्र लोगों की सूची के मुताबिक सिर्फउन्हीं लोगों का यह कार्ड बन सकता है जो लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। या जो लोग गरीबी रेखा या उससे नीचे अपना जीवन यापन करते हैं। या फिर वैसे लोग जो ईएसआईसी या पीएफ का लाभ नहीं लेते। इसके अलावा, अन्य कोई भी व्यक्ति आयुष्मान कार्ड बनवाने का पात्र नहीं है। हालांकि, जनस्वास्थ्य की दृष्टि से इसके बढ़ते महत्व को देखते हुए अन्य लोगों की चाहत होती है कि उनका भी आयुष्मान कार्ड बन जाए। इसलिए लोग गलत रास्ता या तौर-तरीके भी अपना लेते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226018 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई नं० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177721 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।